सोनिया गांधी की अचानक तबीयत हुई खराब, सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

CBI ने करूर भगदड़ मामले में TVK प्रमुख विजय को पूछताछ के लिए बुलाया, 12 जनवरी को होगी पूछताछ

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-62 > अंक - 13 | रायपुर | बुधवार 7 जनवरी 2026 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2026-28

एसआईआर के बाद यूपी में नई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी

2.89 करोड़ नाम हटे

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में आगामी चुनावों की तैयारियों के बीच निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की नई ड्राफ्ट लिस्ट आज मंगलवार, 6 जनवरी 2026 को जारी कर दी है. मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध और त्रुटिहीन बनाना है. इस प्रक्रिया में प्रदेश भर से कुल 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से बाहर कर दिए गए हैं, जो कि कुल पंजीकृत मतदाताओं का लगभग 18.70 प्रतिशत है.

वोटर लिस्ट में बड़ी कटौती के मुख्य आंकड़े

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि विभाग को लगभग 12.5 करोड़ मतपत्र प्राप्त हुए थे. गहन जांच के बाद आंकड़ों में बड़ी गिरावट देखी गई है. **मृतक मतदाता:** लगभग 46.23 लाख मतदाताओं के नाम मृत्यु के कारण हटाए गए हैं.

स्थानांतरित और लापता: करीब 2.17 करोड़ मतदाता ऐसे पाए गए जो या तो अपना मूल निवास छोड़ चुके हैं,लापता हैं ।

भारत हाई-स्पीड रेल के युग में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार

भारत की पहली बुलेट ट्रेन 15 अगस्त 2027 से दौड़ने लगेगी : रेलमंत्री

संवाददाता

भारत हाई-स्पीड रेल के युग में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार दिखाई दे रहा है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच प्रस्तावित देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। 15 अगस्त 2027 में इस ऐतिहासिक ट्रेन के संचालन की योजना के साथ भारत न केवल अपनी रेल तकनीक को नई ऊंचाइयों पर ले जाने जा रहा है, बल्कि देश के परिवहन, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों के पूरे परिदृश्य को भी बदलने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा साझा की गई इस महत्वाकांक्षी परियोजना की परिकल्पना अब जमीन पर साकार होती नजर आ रही है।

मुंबई - अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर भारत की अब तक की सबसे आधुनिक और तकनीकी रूप से उन्नत रेल परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। इस बुलेट ट्रेन के शुरू होने के बाद दोनों शहरों के बीच की यात्रा का समय मौजूदा सात से आठ घंटे से घटकर महज दो घंटे रह जाएगा। यह बदलाव केवल समय की बचत तक सीमित नहीं होगा, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों, लोगों की आवाजाही और पर्यटन के नए अवसरों को भी जन्म देगा। पश्चिम भारत के दो बड़े आर्थिक केंद्रों को जोड़ने वाली यह रेल सेवा देश के विकास की रफ्तार को नई गति देने वाली साबित हो सकती है।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन जापान की अत्याधुनिक शिंकानसेन तकनीक पर आधारित होगी, जो दुनिया भर में अपनी गति, सुरक्षा और विश्वसनीयता के लिए जानी जाती है। यह तकनीक भारतीय रेलवे को वैश्विक मानकों के और करीब ले जाएगी। बुलेट ट्रेन का संचालन अत्यंत उच्च सुरक्षा मानकों के साथ किया जाएगा, जिसमें भूकंप और अन्य आपात स्थितियों से निपटने की उन्नत प्रणालियां भी शामिल होंगी। इससे यात्रियों को न केवल तेज बल्कि भरोसेमंद और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा।

इस परियोजना को चरणबद्ध तरीके से शुरू करने की योजना बनाई गई है ताकि यात्री जल्द से जल्द इस हाई-स्पीड तकनीक का अनुभव कर सकें। शुरुआती चरण में सूरत से बिलीमोरा के बीच सेवा शुरू की जाएगी, जिसके बाद वापी-सूरत और वापी-अहमदाबाद खंड को जोड़ा जाएगा। अंतिम चरण में ठाणे से अहमदाबाद तक पूरा 508 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर एकीकृत हो जाएगा। इस क्रमिक विस्तार से न केवल तकनीकी परीक्षण आसान होंगे, बल्कि यात्रियों में बुलेट ट्रेन को लेकर उत्साह भी लगातार बना रहेगा। परियोजना की प्रगति की बात करें तो निर्माण कार्य तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। कुल मार्ग का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा एलिवेटेड ट्रैक पर तैयार किया जा रहा है, जिससे भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय प्रभाव को कम किया जा सके। अब तक 326 किलोमीटर से अधिक लंबे वायाडक्ट का निर्माण पूरा हो चुका है और 25 में से 17 नदी पुल तैयार किए जा चुके हैं। सूरत जैसे शहरों में बुलेट ट्रेन स्टेशन का निर्माण भी तेजी से चल रहा है, जिसे आधुनिक वास्तुकला और अत्याधुनिक सुविधाओं के प्रतीक के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर मुंबई, ठाणे, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा और अहमदाबाद जैसे पश्चिम भारत के प्रमुख शहरों को आपस में जोड़ेगा।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने बनाया प्लान, दिल्ली के 62 हॉट स्पाटों पर नजर

दिल्ली-एनसीआर की औद्योगिक इकाइयां होंगी बंद।

राजस्थान, पंजाब को वायु प्रदूषण नियंत्रण निर्देश।

दिल्ली के 62 हॉटस्पॉट पर विशेष ध्यान।

संवाददाता

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सख्त रुख अपनाते हुए केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने अब तक आनलाइन सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली (ओसीइएमएस) न लगाने वाली दिल्ली एनसीआर की औद्योगिक ईकाइयों को बंद करने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। कार्रवाई की शुरूआत बड़ी औद्योगिक ईकाइयों से होगी। केंद्रीय मंत्री ने यह निर्देश दिल्ली-एनसीआर की औद्योगिक ईकाइयों को 31 दिसंबर तक सतत उत्सर्जन प्रणाली लगाने के लिए दी गई समय-सीमा खत्म होने के बाद दिए है। ऐसे करीब साढ़े तीन हजार औद्योगिक इकाइयों को पहले नोटिस दिया गया था। बताया जाता है कि लगभग एक हजार इकाइयों ने निर्देश का पालन कर लिया है लेकिन अभी भी ढाई हजार इकाईयां है। अब उन्हें नोटिस देकर कार्रवाई शुरू होगी। केंद्रीय मंत्री यादव ने पिछले दिनों में लगातार वायु प्रदूषण से निपटने की तैयारियों को लेकर अलग अलग राज्यों के साथ बैठक कर रहे हैं।

गणतंत्र दिवस परेड में दिखेगी घातक LR-ASHM मिसाइल

एजेंसी

भारत में गणतंत्र दिवस की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। सभी लोग 26 जनवरी की तारीख का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्तव्य पथ पर परेड का भी आयोजन किया जाएगा जहां भारत अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करेगा। इस परेड में भारतीय सशस्त्र बलों के अत्याधुनिक हथियार भी प्रदर्शित किए जाएंगे। अब जानकारी सामने आई है कि भारत की परे में स्वदेशी लॉन्ग रेंज एंटी शिप मिसाइल की मौजूदगी भी होगी। इस मिसाइल की मौजूदगी भारत की स्वदेशी समुद्री स्ट्राइक क्षमता को दर्शाने वाला एक महत्वपूर्ण संकेत है।

LR-ASHM मिसाइल को भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी DRDO द्वारा विकसित किया गया है। ये मिसाइल एक अत्याधुनिक प्रणाली है, जिसे विशेष रूप से दुश्मन के युद्धपोतों को लंबी दूरी से सटीकता के साथ नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

यूपी में आसान व सस्ता हुआ पैतृक संपत्ति का बंटवारा

लखनऊ : संवाददाता

उत्तर प्रदेश में पैतृक संपत्ति का बंटवारा और किरायेदार एग्रीमेंट करवाना अब और आसान हो गया है। यूपी में पैतृक संपत्ति की अब सिर्फ दस हजार में रुपये में रजिस्ट्री होगी। 5000 हजार रुपये का स्टांप और 5000 हजार रुपये की रजिस्ट्री फीस लगेगी। सीएम योगी ने किरायेदार रजिस्ट्री पर भी बड़ी राहत दी है। किरायेदारी एग्रीमेंट पर स्टाम्प और फीस में 90 प्रतिशत की छूट मिली है। योगी कैबिनेट की मीटिंग में जनता से जुड़े कई अहम फैसले भी हुए हैं।

कैबिनेट में 13 प्रस्ताव किए गए पारित जानकारी के अनुसार, मंगलवार को योगी कैबिनेट की बैठक हुई। कैबिनेट बैठक में कुल 14 प्रस्ताव

आए, जिनमें से 13 प्रस्ताव पारित किए गए। परिवार के ब्लड रिलेशन में संपत्ति दान पर बड़ी राहत दी गई है। अब परिवार के सदस्य को किसी भी प्रकार की प्रॉपर्टी दान करने पर स्टाम्प शुल्क मात्र 5000 रुपये लगेगा।

कैबिनेट की मीटिंग में हुए अहम फैसले - कैबिनेट की मीटिंग में औद्योगिक कंपनियों का निर्माण/संचालन शुरू होगा। इससे 10 हजार से ज्यादा युवाओं को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

JS विश्वविद्यालय शिकोहाबाद की मान्यता समाप्त कर दिया गया है। फर्जी मार्कशीट मामले में जांच के बाद ये बड़ा फैसला लिया गया है। अब छात्रों की कुशीनगर और झांसी में नए स्टाम्प कार्यालयों के निर्माण को भी मंजूरी है। इसके अलावा ग्लोबल कैपेसिटी सेण्टर नीति की SOP पारित किया गया। इस वित्त वर्ष में 21 डिग्री और सर्टिफिकेट का सत्यापन व संचालन आगरा BR आंबेडकर विश्वविद्यालय करेगा।

मंत्री ने दी ये जानकारी

मंत्री नंद गोपाल नंदी ने कहा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर के ज़रिए काम करने के लिए SOP को मंजूरी दे दी गई है। 21 कंपनियों ने काम शुरू कर दिया है, जिससे 10,000 से ज़्यादा नौकरियां मिलेंगी। इस बीच, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सेमीकंडक्टर पॉलिसी 2014 में पेश की गई थी। इसमें ताइवान सबसे आगे है। सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में निवेश करने वाले निवेशकों को केस-टू-केस आधार पर सब्सिडी दी जाएगी। तीन हज़ार करोड़ के निवेश पर इंसेंटिव दिए जाएंगे।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल महत्वपूर्ण भारत-यूरोपीय संघ एफटीए वार्ता के लिए ब्रुसेल्स

एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल 8-9 जनवरी 2026 तक दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर ब्रुसेल्स जाने वाले हैं। यह यात्रा नई दिल्ली और ब्रुसेल्स के बीच बढ़ते राजनयिक और तकनीकी संबंधों को दर्शाती है, जो भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (FTA) को अंतिम रूप देने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। यह वार्ता भारत और यूरोपीय संघ के आर्थिक संबंधों के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ पर हो रही है। नौ साल से अधिक के अंतराल के बाद जून 2022 में इन वार्ताओं को फिर से शुरू किया गया था, जो आर्थिक एकीकरण को गहरा करने की दोनों पक्षों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बंगलादेश के हालात चिंताजनक, असम को सतर्क रहना होगा : सीएम

एजेंसी

हिमंता बिस्वा सरमा ने बांग्लादेश के घटनाक्रमों को असम के लिए चिंता का कारण बताते हुए सतर्कता की अपील की है और कहा है कि राज्य में अभी भी जिहादी स्लीपर सेल सक्रिय हो सकते हैं। उन्होंने मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस की सफलता का जिक्र करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि असम की सुरक्षा एक बहुआयामी चुनौती बनी हुई है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि बांग्लादेश में हाल के घटनाक्रम असम के लिए चिंता का विषय हैं। मंगलवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए सरमा ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं और इसका असर असम पर भी पड़ सकता है। सरमा ने सभी से सतर्क रहने की अपील की और साथ ही स्थिति पर गहन नजर रखने की आवश्यकता बताई। सरमा ने कहा कि हमें सतर्क रहना होगा और बांग्लादेश में हिंदू समाज में आशा की किरण भी जगानी होगी।

असम से हाल ही में कुछ जिहादी तत्वों की गिरफ्तारी के बारे में पूछे जाने पर, सरमा ने कहा कि जिहादी तत्व असम में सक्रिय रहे हैं, कम से कम पिछले दस वर्षों से। पिछले दस वर्षों से हम यहाँ जिहादी गतिविधियों के साक्षी रहे हैं। असम की सुरक्षा हमेशा से चिंता का विषय रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि असम में अभी भी कुछ स्लीपर सेल सक्रिय हैं। जब तक भू-राजनीतिक स्थिति में पर्याप्त सुधार नहीं होता, असम की सुरक्षा चिंता का विषय बनी रहेगी। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि असम के कछार जिले में मादक पदार्थ के पांच संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया गया है और दो करोड़ रुपये की नशीली दवाएं बरामद की गई हैं।

विदेश

ट्रंप के खिलाफहुए 7 यूरोपीय देश, कहा- ग्रीनलैंड का भविष्य उसके लोग तय करेंगे

ग्रीनलैंड पर हमला मतलब NATO खत्म, ट्रंप की धमकी पर डेनमार्क की पीएम

कोपेनहेगन : एजेंसी।

अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकियों का डेनमार्क ने कड़ा जवाब दिया है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर अमेरिका की ओर से ग्रीनलैंड पर कंट्रोल की कोशिश हुई तो नाटो टूट जाएगा। ऐसे में अमेरिका इस तरह का कोई कदम उठाने से पहले अच्छी तरह सोच ले।

ट्रंप ने सैन्य रणनीति के लिहाज के ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे की बात कही है। ट्रंप की टिप्पणियों ने डेनमार्क और ग्रीनलैंड की लीडरशिप को नाराज कर दिया है। अमेरिका और डेनमार्क दोनों नाटो के सदस्य हैं। डेनमार्क की प्रधानमंत्रीमेटे फ्रेडरिक्सन ने अपने बयान में कहा, 'ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे का मतलब नाटो मिलिट्री गठबंधन का खत्म होना होगा। अमेरिका किसी दूसरे नाटो देश पर

सैन्य हमला करता है तो सब कुछ रुक जाएगा। यह नाटो और दूसरे विश्व युद्ध के बाद दी गई सुरक्षा खत्म कर देगा। ट्रंप के ग्रीनलैंड पर बयानों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम यह स्वीकार नहीं करेंगे, जहां हमें इस तरह धमकी दी जाए।'

ग्रीनलैंड के पीएम जेन्स फ्रेडरिक नीलसन ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा, 'ग्रीनलैंड पर कंट्रोल की कोशिश के विनाशकारी नतीजे होंगे। ग्रीनलैंड की तुलना वेनेजुएला से नहीं की जा सकती। हम ऐसी स्थिति में नहीं हैं, जहां रातों-रात देश पर कब्जा कर लिया जाए। इसीलिए हम इस बात पर जोर दे रहे हैं कि हम सहयोग चाहते हैं।

नेपाल में भी हिन्दू निशाने पर! बीरगंज में हालात बेकाबू होने के बाद लगा कर्फ्यू

संवाददाता

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार की खबरें तो लगातार सामने आ ही रही हैं साथ ही अब नेपाल में बहुसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाये जाने की खबरें भी आने लगी हैं। हम आपको बता दें कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियोज में मुसलमानों को अपने घरों की छतों से हिंदुओं पर पत्थर बरसाते हुए देखा जा सकता है। हम आपको बता दें कि नेपाल के भारत से सटे सीमावर्ती शहर बीरगंज में इस समय हालात बेकाबू हो गये हैं। शहर के कई हिस्सों में तनाव, आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद प्रशासन को कर्फ्यू लागू करना पड़ा है। हम आपको बता दें कि यह इलाका भारत नेपाल सीमा के बेहद नजदीक है, जिस कारण हालात की गंभीरता और बढ़ गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूरे विवाद की शुरुआत एक सोशल मीडिया वीडियो से हुई, जो टिकटॉक पर तेजी से वायरल हुआ। इस वीडियो में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री होने का आरोप लगाया गया, जिसके बाद स्थानीय समुदायों में भारी आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आये और मामला सांप्रदायिक तनाव में बदल गया। हम आपको बता दें कि कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अगर हिंसा दोबारा भड़की तो और कठोर कदम उठाये जा सकते हैं। जरूरी सेवाओं को छूट दी गयी है, लेकिन आम नागरिकों से घरों में रहने की अपील की गयी है। उधर, बीरगंज की स्थिति का असर भारत नेपाल सीमा पर भी साफ दिख रहा है। सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गयी है और सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावित खतरे को लेकर सतर्क हैं। दोनों देशों के अधिकारियों के बीच लगातार संपर्क बनाये रखा जा रहा है ताकि हालात नियंत्रण में रहें। देखा जाये तो भारत नेपाल सीमा से सटे बीरगंज में भड़की हिंसा उस गहरी सामाजिक बेचैनी का नतीजा है जो पिछले कुछ वर्षों से नेपाल के भीतर लगातार पकती रही है।

बता दें कि हालात तब और बिगड़ गये जब कुछ इलाकों में धार्मिक स्थलों के साथ तोड़फोड़ की खबरें सामने आयीं। इसके बाद प्रदर्शन हिंसक हो गये। दुकानों को नुकसान पहुंचाया गया, टायर जलाये गये और मुख्य सड़कों को जाम कर दिया गया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें भी हुईं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने बीरगंज के संवेदनशील इलाकों में कर्फ्यू लागू कर दिया। पहले यह कर्फ्यू सीमित समय के लिये लगाया गया था, लेकिन हालात सामान्य न होने के कारण इसे बढ़ाना पड़ा। प्रशासन ने साफ किया कि कर्फ्यू के दौरान अनावश्यक आवाजाही पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।

वेनेजुएला की नई राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को ट्रंप की धमकी, कहा- अगर बात न मानी तो मादुरो जैसा करेंगे हाल

वेनेजुएला की नई राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को ट्रंप की धमकी, कहा- अगर बात न मानी तो मादुरो जैसा करेंगे हाल

वॉशिंगटन. संवाददाता

वेनेजुएला को लेकर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेवर एक बार फिर आक्रामक नजर आ रहे हैं. हालिया घटनाक्रम के बीच ट्रंप ने वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उन्होंने अमेरिका की अपेक्षाओं के अनुरूप कदम नहीं उठाए, तो उन्हें राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से भी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है. डेल्सी रोड्रिग्ज वर्ष 2018 से वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति रही हैं और मौजूदा संकट के बीच उन्हें अंतरिम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया है. अमेरिका के कथित सैन्य हस्तक्षेप के बाद राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस के न्यूयॉर्क की जेल में होने का दावा किया जा रहा है. इसी पृष्ठभूमि में ट्रंप ने वेनेजुएला को नया अल्टीमेटम दिया है. द अटलांटिक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, अगर वे सही फैसला नहीं करतीं, तो परिणाम बहुत गंभीर होंगे. यह कीमत मादुरो से भी ज्यादा हो सकती है. दिलचस्प बात यह है कि सत्ता परिवर्तन के समय ट्रंप ने ही डेल्सी रोड्रिग्ज की सराहना की थी और उन्हें अंतरिम राष्ट्रपति बनाए जाने पर सहमति जताई थी. हालांकि, पद संभालने के बाद डेल्सी ने स्पष्ट कर दिया कि वेनेजुएला के वास्तविक राष्ट्रपति मादुरो ही हैं और देश अपने तेल व अन्य प्राकृतिक संसाधनों पर किसी बाहरी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करेगा।

विधायक भोला राम साहू ने कहाड़कसा में तीन दिवसीय जोन स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

राजनांदगांव।

अंबागढ़ चौकी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरगांव के आश्रित ग्राम कहाड़कसा में सोमवार से तीन दिवसीय जोन स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य एवं उत्साहपूर्ण शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में संकुल क्षेत्र के 22 स्कूलों के छात्र-छात्रा खिलाड़ी विभिन्न खेल विधाओं में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रतियोगिता का शुभारंभ खुज्जी विधायक श्री भोलाराम साहू द्वारा खेल ध्वज फहराकर एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से खेल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत डोंगरगांव के सरपंच श्री भगवान सिंह मंडावी ने की। वहीं विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य शेषवरी धुर्वे, पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष रितेश मेश्राम, उदेराम साहू, दयाशंकर गुप्ता, हुमन नागेश्वर, धर्मेंद्र कोरे, गोपाल सिंह पाल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सचिव रामदेव सिन्हा एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी एस. के. धीवर की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रतियोगिता के दौरान कबड्डी, खो-खो, एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें खिलाड़ियों का उत्साह देखने योग्य है। आयोजकों एवं शिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

राजधानी में हिट एंड रन का मामला, विधायक रेणुका सिंह का बेटा पुलिस हिरासत में

तेज रफ़्तार कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर

रायपुर,छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आए दिन रफ़्तार का कहर देखने को मिलता है। यहां आए दिन भीषण सड़क हादसे और हिट एंड रन के मामले सामने आते हैं। इसी कड़ी में राजधानी रायपुर से एक और हिट एंड रन का मामला सामने आया है। यहां कुछ लोगों ने तेज रफ़्तार कार चलाते हुए एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। मामले में पुलिस ने भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह के बेटे को हिरासत में लिया है।

भाजपा विधायक का बेटा हिरासत में – मिली जानकारी के अनुसार, हिट एंड रन का ये मामला राजधानी रायपुर के अग्रसेन धाम के पास से सामने आया है। यहां एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इस हादसे के बाद कार में सवार युवक-युवतियां मौके से फरार हो गए। वहीं हिट एंड रन की सूचना मिलते ही तेलीबांधा पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान पुलिस ने भरतपुर-सोनहत से भाजपा विधायक रेणुका सिंह के बेटे को हिरासत में लिया है। पुलिस की टीम विधायक रेणुका सिंह के बेटे से पूछताछ कर रही है। वहीं पुलिस की टीम घटनास्थल से फरार हुए अन्य युवक-युवतियों की तालश में जुटी हुई है।

रायपुर सेंट्रल जेल में कैदी की मौत

रायपुर, रायपुर के सेंट्रल जेल में पॉक्सो एक्ट के तहत बंद एक विचाराधीन कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। कैदी की मौत के बाद परिजनों ने जेल प्रशासन पर प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार रात सेंट्रल जेल रायपुर में पॉक्सो एक्ट के प्रकरण में सजा काट रहे कैदी सुनील महानंद की मौत बैरक नंबर-5 में हो गई। पुलिस ने देर रात परिजनों को इसकी जानकारी दी। घटना के बाद मृतक के परिजन और समाज के लोग जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए जेल परिसर के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। परिजनों का आरोप है कि सुनील को जेल में लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना दी जा रही थी, जिससे वह बेहद परेशान था। उनका कहना है कि मौत की सूचना भी उन्हें देर रात दी गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि बिना पूर्व सूचना के शव को मर्चुरी भेज दिया गया, जिससे पूरे मामले पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सोमवार को छत्तीसगढ़ उत्कल गाड़ा समाज के लोग भी परिजनों के साथ धरना प्रदर्शन में शामिल हुए। समाज के पदाधिकारियों और परिजनों का दावा है कि सुनील महानंद को फर्जी मामले में फंसाया गया था। साथ ही जेल में बुनियादी सुविधाओं की कमी का भी आरोप लगाया गया है। मृतक की पत्नी ने बताया कि दो दिन पहले हुई मुलाकात के दौरान सुनील ने जेल में प्रताड़ना की बात कही थी और वह काफी परेशान नजर आ रहा था।

आलीखुटा में विकास कार्यों को मिली रफ्तार, सैकड़ों मजदूरों को मिल रहा रोजगार

राजनांदगांव। जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत रानीतरई के आश्रित ग्राम आलीखुटा में ग्रामीण विकास को गति देने के उद्देश्य से विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। गांव में नर्सरी एवं गार्डन निर्माण, डबरी निर्माण, भूमि सुधार कार्य तथा कच्ची सड़क मार्ग निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य संचालित किए जा रहे हैं।

इन विकास कार्यों के तहत नर्सरी एवं गार्डन निर्माण से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीणों को पौधरोपण की सुविधा प्राप्त होगी। डबरी निर्माण से वर्षा जल संग्रहण को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे सिंचाई, पशुपालन एवं जल संकट से निपटने में सहायता मिलेगी। भूमि सुधार कार्य के माध्यम से अनुपयोगी भूमि को उपजाऊ बनाया जा रहा है, जिससे किसानों की कृषि आय बढ़ने की संभावना है। वहीं कच्ची सड़क मार्ग निर्माण से गांव के भीतर तथा आसपास के क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा, जिससे ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच में सुविधा मिलेगी। इन सभी कार्यों में प्रतिदिन सैकड़ों मजदूरों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष मजदूरों की सहभागिता भी देखी जा रही है। कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत एवं संबंधित विभागों द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। ग्रामीणों ने इन विकास कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इससे ग्राम आलीखुटा का समग्र विकास होगा और आने वाले समय में गांव की तस्वीर बदलेगी।

स्व. मुरलीधर दास वैष्णव को दी गई श्रद्धांजलि

राजनांदगांव। ग्राम भण्डारपुर निवासी स्वर्गीय श्री मुरलीधर दास वैष्णव का आकस्मिक निधन 24 दिसम्बर 2025 को हो गया था। उनके देवलोक गमन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। दिवंगत आत्मा की शांति हेतु 5 जनवरी 2026 को तेरहवीं एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन उनके निज निवास ग्राम भण्डारपुर, तहसील छुरिया, जिला राजनांदगांव में किया गया।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में सामाजिक, पारिवारिक एवं ग्रामीणजन उपस्थित होकर पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्मा को नमन किया। इस अवसर पर नीलू शर्मा, किरण वैष्णव, गीता घासी साहू, किरण साहू, जागृति यदु, रविन्द्र वैष्णव, गोपाल भूआर्य, अनीता मंडावी, किरण विनोद बारले, मदन लाल साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोकसंतप्त परिवार को संबल प्रदान किया।

प्रदेश में सर्दी का सितम, तापमान में आएगी गिरावट, तीन दिनों तक चलेगी शीतलहर

मौसम विभाग ने न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की कमी आने की संभावना

रायपुर,राजधानी रायपुर समेत छत्तीसगढ़ के कई अन्य इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में कोहरा छाया हुआ है और इसी के कारन तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया है। अंबिकापुर को छोड़कर प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में तापमान में कमी दर्ज की गई है। वहीं मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में राज्य के अलग-अलग शहरों में न्यूनतम तापमान में एक से तीन डिग्री सेल्सियस तक की कमी आने की संभावना जताई है।

प्रदेश की राजधानी रायपुर में रविवार को सुबह से ही कोहरा छाया रहा। कई इलाकों में सुबह 11 बजे तक दृश्यनीयता प्रभावित रही। रविवार को राज्य के सबसे ठंडे इलाके में अंबिकापुर को पीछे छोड़कर पेंड्रा आगे निकल गया। पेंड्रा और अमरकंटक का न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं अंबिकापुर जिले में रविवार को न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। रायपुर का अधिकतम तापमान 27.2 और न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बिलासपुर, दुर्ग और जगदलपुर के न्यूनतम तापमान में एक से 2.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़त देखी गई।

पेंड्रा में जनजीवन अस्त-व्यस्त

पेंड्रा इलाके में कड़ाके की ठंड ने जनजीवन को ठिठुरा दिया है। पेंड्रा और अमरकंटक का न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। यहां ठंड का प्रकोप बढ़ गया है जहां कई जगहों पर ओस की बूंदें जम गईं, अमरकंटक में खेतों और छतों पर सफेद चादर नजर आ रही है। शीतलहर से बाजार सन्नाटे में हैं, लोग अलाव जलाकर और ऊनी कपड़ों से खुद को बचाने को मजबूर नजर आ रहे है।

पत्थलगांव में पड़ रही कड़ाके की ठंड

पत्थलगांव में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पत्थलगांव में घने कोहरे के चलते विजिबिलिटी कम होते जा रही है। घना कोहरा छाए होने के कारण लोगों को वाहन चलाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, पत्थलगांव क्षेत्र का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री दर्ज किया गया है। तापमान में लगातार कमी आने के चलते लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में शीर्ष अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक

राष्ट्रपति के संभावित दौरा कार्यक्रम सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा

रायपुर, संवाददाता।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में उन्होंने राष्ट्रपति द्रुपदी मुर्मू के बस्तर आगमन को देखते हुए सभी संभावित तैयारियों सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव सा बस्तर पंडुम में आने के लिए राष्ट्रपति को विधिवत् आमंत्रित किया है, लेकिन अभी तक राष्ट्रपति का कोई अधिकृत दौरा कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है। समझा जाता है कि राष्ट्रपति सचिवालय को विभिन्न तैयारियों की पहले जानकारी दी जाएगी। उसके पश्चात ही कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाएगा। राज्य में जगदलपुर के मुख्य स्थान पर बस्तर पंडुम का आयोजन 10 जनवरी से लेकर 20 जनवरी के बीच किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में देश के प्रख्यात भाजपा शीर्ष नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। बस्तर पंडुम में आदिवासी कला संस्कृति के बारे में बताया जाएगा। इस कार्यक्रम में राज्य के सभी कैबिनेट मंत्री सहित अन्य नेता शामिल होंगे। मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित इस बैठक में मुख्य सचिव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं सचिव प्रमुख सचिव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। भारतीय जनता पार्टी जब सत्ता में आई है तब से आदिवासी कला संस्कृति को बढ़ावा दे रही है।

ट्राइबल खेला इंडिया सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें अमित शाह सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। बस्तर पंडुम संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित की किया जा रहा है।

महतारी वंदन योजना सरकार की अभिनव पहल से नारियों का हो रहा उत्थान : श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

छत्तीसगढ़ में बच्चों के कुपोषण के विरूद्ध संघर्ष जारी : महिला एवं बाल विकास मंत्री

रायपुर, प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बच्चों के कुपोषण के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा। महिला एवं बाल विकास के प्रयासों से कुपोषण में काफी कमी आई है। सरकार द्वारा महतारी वंदन योजना के तहत 68 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। शेष महिलाओं केवाईसी किया जा रहा है। इस पर कुल 14307 करोड़ रूपए का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ रहा है।

आज आयोजित पत्रकारवार्ता में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया कि महिला सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना प्रदेश में लागू की गई है, जो प्रदेश में एक ऐतिहासिक पहल है। इससे 68 लाख महिलाएं लाभान्वित हो रही है। इस योजना का सर्वे भी कराया गया है, जिससे पता चला है कि महिला हितग्राही स्वास्थ्य तथा दवाई पर तथा व्यवसाय एवं अन्य कार्यों के लिए स्वतंत्र एवं निर्णायक निर्णय ले रही है जिससे उनके जीवन में आर्थिक सुधार हो रही है। आदिवासी महिलाओं ने भी इसका फायदा उठाया है। **महिला बाल विकास के चार स्तम्भ** प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग के चार प्रमुख स्तम्भ है। इन बिन्दुओं पर महिलाओं के आर्थिक विकास पर ध्यान दिया जा रहा है। पहला महिला सशक्तिकरण जिसके तहत महतारी वंदन योजना संचालित की जा रही है। दूसरा स्वास्थ्य जिसमें प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के तहत महिलाओं की स्वास्थ्य की देखभाल की जा रही है। तीसरा पोषण आहार जिसमें बच्चों को मल्टी विटामिन पोषण आहार दिया जा रहा है, जिसके चलते बच्चों में कुपोषण में कमी आयी है। उन्होने बताया कि महिलाओं की सुदृढ़ आर्थिक व्यवस्था के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। आंगनबाड़ी में महिलाओं की भर्ती की जा रही है। बच्चों के पोषण आहार में रेसिपी में बदलाव किया गया है, इसमें मीठा, नमकीन और दलिया दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री मातृत्व योजना से कई महिलाएं लाभान्वित हुई है। स्वच्छ एवं पुरक पोषण आहार से बच्चों में दुर्बलता एवं पौनापन में कमी आई है। आज की प्रेस कॉन्फेंस में महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थी। विष्णु देव सरकार के दो वर्ष के उपलक्ष्य में मंत्रियों द्वारा अपने-अपने विभाग का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जा रहा है। जनसंपर्क विभाग के ऑडिटोरियम में प्रेस कॉन्फेंस किया जा रहा है।

डीएसआईआर कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ के धमतरी में ग्रामीण महिलाओं के लिए स्किल सैटेलाइट सेंटर होगा स्थापित

रायपुर, डीएसआईआर फाउंडेशन डे के अवसर पर विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग द्वारा नवाचार और उद्योग पारितंत्र को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न साझेदार संस्थाओं के साथ अनेक महत्वपूर्ण समझौते और एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इन्हीं में से छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रमुख उपलब्धि धमतरी में स्किल सैटेलाइट सेंटर की स्थापना से जुड़ा समझौता है, जो डीएसआईआर की टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट एंड यूटिलाइजेशन प्रोग्राम फॉर वुमेन के अंतर्गत स्थापित किया जाएगा। धमतरी में प्रस्तावित स्किल सैटेलाइट सेंटर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं आदिवासी महिलाओं को प्रौद्योगिकी-आधारित कौशल विकास, उद्यमिता प्रशिक्षण और आजीविका के स्थायी अवसरों से जोड़ना है। यहाँ महिलाओं को उपयुक्त तकनीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण, बाजार से जोड़ने के अवसर तथा उद्यम स्थापित करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। प्राथमिक क्षेत्रों में फूड प्रोसेसिंग, वन-आधारित उत्पाद, वस्त्र एवं हस्तशिल्प, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण तथा डिजिटल सेवाएँ शामिल होंगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी और कौशल विकास छत्तीसगढ़ में महिलाओं के नेतृत्व में विकास के दो सशक्त आधार हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण तथा प्रदेश सरकार की उस प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसके तहत ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाते हुए महिलाओं को लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की अग्रणी शक्ति बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में महिला स्व-सहायता समूह, लक्षपति दीदी योजना, वन धन विकास केंद्र तथा रा'य आजीविका मिशन जैसे प्लेटफॉर्मों को इस स्किल सैटेलाइट सेंटर के साथ एकीकृत किया जाएगा। इससे प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को तुरंत उद्यम स्थापित करने, ऋण सुविधा प्राप्त करने और विपणन सहयोग मिलने के अवसर उपलब्ध होंगे, जिससे पूरे क्षेत्र में व्यापक आर्थिक प्रभाव दिखाई देगा। धमतरी में स्किल सैटेलाइट सेंटर की स्थापना से रा'य में कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, स्टार्टअप संवर्द्धन और जमीनी नवाचार को नया आयाम मिलेगा।

महापौर ने किया महाराजबंध तालाब सफाई अभियान का निरीक्षण

ग्रीन आर्मी के कार्यों की सराहना – 27 दिन में 64 ट्रक कचरा बाहर।

रायपुर।

ग्रीन आर्मी द्वारा संचालित महाराजबंध तालाब सफाई अभियान के आज 27 दिन पूर्ण हो चुके हैं। इस अवसर पर महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने महाराजबंध तालाब पहुँचकर अभियान का निरीक्षण किया और ग्रीन आर्मी के निरंतर जनहितकारी प्रयासों की सराहना की। महापौर द्वारा अभियान को सफल बनाने हेतु नगर निगम की ओर से आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया गया। ग्रीन आर्मी के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री अमिताभ दुबे, जिला अध्यक्ष गुरदीप टुटेजा, भारती श्रीवास्तव विनीत शर्मा, मोनिका बागरेचा श्याम बघेल,हेमंत ठाकुर ने महापौर को अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि संस्था द्वारा विगत 11 दिसम्बर से प्रतिदिन सुबह 8 बजे नियमित श्रमदान किया जा रहा है और अब तक 64 ट्रक कचरा तालाब से बाहर निकाला जा चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल सफ ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि तालाब के संरक्षण और पुनर्जीवन की दिशा में एक निरंतर प्रयास है, जो आगे भी जारी रहेगा। सफाई अभियान के दौरान तालाब से धार्मिक झांकियों के अवशेष, घाटों पर जमा गंदगी, सिंगल यूज प्लास्टिक तथा वर्षों से जमा अन्य अपशिष्ट हटाए गए हैं।

घाटों की विशेष सफाई कर उन्हें पुनः उपयोग योग्य स्वरूप दिया गया है। अभियान में जुटे ग्रीन आर्मी के स्वयंसेवकों के समर्पण और अनुशासन की सभी ओर सराहना की जा रही है। इस जनआंदोलन को मजबूती देने में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मीडिया के निरंतर सहयोग से आम नागरिकों में तालाब स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ी है। महाराजबंध तालाब सफाई अभियान के प्रोग्राम डायरेक्टर शशिकांत यदु ने अभियान को समर्थन देने वाले सभी स्वयंसेवकों, नागरिकों और विशेष रूप से मीडिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की भागीदारी से ही ऐसे अभियान सफ ल होते हैं और जागरूकता ही स्थायी समाधान का मार्ग है।

बिलासपुर में हवाई सेवा मार्ग का रास्ता प्रशस्तः साव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हवाई सेवाओं और अड्डों का विस्तार

रायपुर,। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि बिलासपुर में हवाई सेवा का मार्ग प्रशस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के लिए जमीन की अधिग्रहण की कार्यवाही कर ली गई है। अब यहां पर बिलासपुरवासियों के लिए कई राष्ट्रीय उड़ानों का लाभ मिलेगा।

आज यहां आयोजित पत्रकारवार्ता में उपमुख्यमंत्री एवं लोकनिर्माण मंत्री अरूण साव ने कहा कि लंबे अर्से से बिलासपुरवासियों को बिलासा एयरपोर्ट के निर्माण का इंतजार था। यहां जमीन का अधिग्रहण की कार्यवाही पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि जबसे देश के प्रधानमंत्री बने हैं उन्होंने देश में कई विकास एवं कल्याणकारी योजनाएं संचालित की हैं। जिसके चलते अब देशवासियों को आधुनिक हवाई सेवाएं मिलेंगी। बिलासपुर से लगे कोरबा में एनटीपीसी बालको सहित कई औद्योगिक संगठन एवं इकाईयों हैं। यहां पर अधिकारियों एवं नेताओं को नई दिल्ली जाने के लिए रायपुर आना पड़ता है जो की काफी दूर है। बिलासपुर में राष्ट्रीय हवाई सेवा शुरू होने के बाद समाज के सभी वर्गों को लाभ मिलेगा।

रामकृष्ण मानस पाठ में शामिल हुए साव

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरूण साव अपने विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम झापल और सिद्ध बाबा मंदिर विचारपुर में आयोजित कार्यक्रम मानस में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से हमारी सामाजिक विरासत सदृढ़ होती है।

रायपुर में गुंडागर्दी का सनसनीखेज मामला, व्हाट्सऐप ग्रुप विवाद पर सोसायटी में मारपीट

रायपुर, राजधानी रायपुर से मारपीट और खुलेआम गुंडागर्दी का गंभीर मामला सामने आया है। मुजगहन थाना क्षेत्र में स्थित एक रिहायशी सोसायटी में व्हाट्सऐप ग्रुप में किए गए मैसेज को लेकर उपजा विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि राहुल जैन ने अपने कई साथियों के साथ मिलकर सोसायटी के रहवासियों पर हमला कर दिया। इस दौरान न सिर्फ पुरुषों के साथ मारपीट की गई, बल्कि महिलाओं के साथ भी हाथापाई और बदसलूकी का आरोप लगा है। घटना के दौरान सोसायटी के गार्ड और सुरक्षा व्यवस्था को भी निशाना बनाया गया। हमलावरों ने गार्ड रूम में तोड़फोड़ की और वहां मौजूद सामान को नुकसान पहुंचाया। पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में मारपीट, धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का माहौल साफ देखा जा सकता है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोसायटी के व्हाट्सऐप ग्रुप में किसी मुद्दे को लेकर मैसेज किए गए थे, जिस पर राहुल जैन और उसके साथियों ने आपत्ति जताई। पहले कहासुनी हुई और फिर यह विवाद अचानक हिंसा में बदल गया। आरोप है कि राहुल जैन अपने साथ कई युवकों को लेकर सोसायटी में पहुंचा और रहवासियों के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। जब कुछ महिलाओं ने बीच-बचाव की कोशिश की तो उनके साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद सोसायटी के रहवासियों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि राजधानी जैसे शहर में इस तरह की गुंडागर्दी कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। रहवासियों ने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मुजगहन थाना में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने बताया कि वीडियो फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना में कितने लोग शामिल थे और क्या पहले से किसी तरह की रंजिश थी। फिलहाल पुलिस ने सोसायटी में अतिरिक्त गश्त बढ़ा दी है ताकि स्थिति सामान्य बनी रहे।

छत्तीसगढ़ की लोक नृत्य एवं लोक कला पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का सफल समापन

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को समझने और अनुभव करने का एक महत्वपूर्ण अवसर

रायपुर, छायाचित्रों के माध्यम से छत्तीसगढ़ के लोक जीवन, सांस्कृतिक विविधता एवं परंपराओं के संरक्षण का सशक्त संदेश देने वाली लोक नृत्य एवं लोक कला पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का सफल समापन हुआ। समापन अवसर पर श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रदर्शनी की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का सराहनीय प्रयास बताया तथा इस प्रकार के आयोजनों के लिए क्लाउड के निरंतर प्रयासों की सराहना करते हुए प्रोत्साहित किया।छत्तीसगढ़ कला, संस्कृति और परंपराओं की समृद्ध भूमि है, जहाँ तीज-त्योहार, लोक-नृत्य और पारंपरिक कलाएँ आज भी उसी उत्साह और गरिमा के साथ संरक्षित हैं।

छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोक-कला एक से बढ़कर है। गौरा-गौरी, भोजली, राउत नाचा, सुआ नृत्य, पंथी और करमा नृत्य जैसी लोक-शैली के साथ बांस शिल्प, मृदा शिल्प और टेराकोटा के साथ ही आयरन और मेटल शिल्प से संबंधित फोटो प्रदर्शनी से विस्तृत जानकारी मिल रही है।त्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति, पारंपरिक नृत्यों एवं विविध लोक कलाओं को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से क्लाउड एवं संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ के सहयोग से आयोजित इस विशेष फोटो प्रदर्शनी ने राज्य की जनजातीय, ग्रामीण एवं लोक परंपराओं को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया, जिससे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान और अधिक सुदृढ़ हुई। प्रदर्शनी के दौरान केरल, तेलंगाना, महाराष्ट्र, उड़ीसा, मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार सहित ऑस्ट्रेलिया से भी बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। विशेष रूप से युवा वर्ग एवं स्कूली विद्यार्थियों में छत्तीसगढ़ की लोक कला एवं संस्कृति को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। आगंतुकों ने लोक नृत्य परंपराओं और कलात्मक विरासत की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।इस फोटो प्रदर्शनी में श्री दीपेंद्र दीवान, श्री अखिलेश भरोस, श्री धनेश्वर साहू, सुश्री हर्षा सिंदूर एवं शौर्य दीवान के छायाचित्र प्रदर्शित किए, जिन्हें दर्शकों से भरपूर सराहना प्राप्त हुई। आयोजनकर्ता दीपेंद्र दीवान ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन निरंतर होते रहना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रह सकें। यह आयोजन विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, संस्कृति अध्येताओं एवं आम नागरिकों के लिए छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को समझने और अनुभव करने का एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध हुआ। समापन अवसर पर अनेक गणमान्य नागरिक एवं कला प्रेमी उपस्थित रहे।

महिला नेतृत्व को लेकर उठा विवाद कांग्रेस के राजनीतिक चरित्र को बेनकाब कर रहा : शताब्दी

रायपुर, भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पाण्डेय ने कहा है कि अब छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष के चयन को लेकर विवाद सामने आया है। यह विवाद कांग्रेस के अंदरूनी लोकतंत्र पर सवाल खड़ा करता है और गुटबाज़ी का प्रत्यक्ष प्रमाण है। श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस के नेता हमेशा महिलाओं के सम्मान और अधिकार को लेकर बड़ी-बड़ी बातें तो खूब करते हैं, लेकिन जब खुद के संगठन में महिलाओं को नेतृत्व देने का समय आता है, तो निर्णय पारदर्शी नहीं होता बल्कि बंद कमरों में सौदेबाज़ी होती है।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि आज कांग्रेस की महिला नेता खुद सवाल उठा रही हैं कि योग्यता, संघर्ष और ज़मीनी सच्चाई को दरकिनार कर गुटबाजी और चापलूसी को महत्व दिया जा रहा है। यह कांग्रेस की महिला नेतृत्व के प्रति सोच को परिलक्षित करता है।

डीएसआईआर ने धमतरी जिले की ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु एनआईटी रायपुर को STREE परियोजना की स्वीकृत

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा यह पहल ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाकर सतत आजीविका के अवसर करेगी सृजित

रायपुर, ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरण एवं विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर को STREE (महिलाओं की आर्थिक वृद्धि को सशक्त बनाने के लिए तकनीकी संसाधनों के माध्यम से कौशल विकास) परियोजना स्वीकृत की है। इस परियोजना की स्वीकृति का हस्ताक्षर समारोह 4 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह की गरिमामय उपस्थिति रही। यह पहल एनआईटी रायपुर की कंपनी एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप के माध्यम से कार्यान्वित की जाएगी। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की A2K+ योजना के अंतर्गत महिलाओं के लिए प्रौद्योगिकी विकास एवं उपयोग कार्यक्रम के तहत समर्थित इस परियोजना के लिए 36 माह की अवधि हेतु 90 लाख रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में महिला कौशल उपग्रह केंद्रों की स्थापना करना है, जिसके माध्यम से तीन वर्षों में 300 ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना को धमतरी जिला प्रशासन से अबिनाश मिश्रा, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी, गजेंद्र सिंह ठाकुर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला पंचायत, डॉ. शैलेंद्र सिंह, सहायक निदेशक, ष्टस्स्ष्ठ एवं जिला अधिकारी, तथा जय वर्मा, ष्ठक्क्रू, ष्टत्तस्त्रारू शामिल हैं, जो स्थानीय समन्वय एवं व्यापक जनपहुंच सुनिश्चित करेंगे। एनआईटी रायपुर की ओर से इस परियोजना का मार्गदर्शन निदेशक डॉ. एन. वी. रामना राव द्वारा किया जा रहा है। परियोजना का नेतृत्व डॉ. अनुज कुमार शुक्ला, सहायक प्राध्यापक एवं प्रधान अन्वेषक कर रहे हैं। उनके साथ पवन कटारिया, सहायक कुलसचिव एवं सह-प्रधान अन्वेषक एवं प्रभारी अधिकारी, नाइटाट के रूप में जुड़े हैं।

विप्र सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन 10 एवं 11 को

रायपुर,। विप्र सांस्कृतिक भवन का वार्षिक उत्सव सम्मेलन 10 एवं 11 जनवरी को छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज समता कालोनी रायपुर में आयोजित किया गया है। उक्त जानकारी संस्था के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने देते हुए बताया कि सम्मेलन में विप्र सांस्कृतिक भवन प्रबंध समिति द्वारा समाज के प्रतिभावान बच्चों एवं समाज के सदस्यों की छिपी हुई प्रतिभा को मंच प्रदान करने हेतु निःशुल्क प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। विजयी प्रतिभागियों के आकर्षक पुरस्कार की व्यवस्था की गई है। सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं 10 जनवरी दोपहर तीन बजे एकल नृत्य प्रतियोगिता समूह नृत्य प्रतियोगिता, युगल नृत्य प्रतियोगिता, एकल गायन प्रतियोगिता, समूह गायन प्रतियोगिता एवं फैं सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। द्वितीय सत्र साहित्यिक प्रतियोगिताओं के अंतर्गत तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता निबंध प्रतियोगिता लघु कथा लेखन एवं काव्य लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के तृतीय सत्र में खेल प्रतियोगिताएं शतरंज, टेबल टेनिस एवं बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

‘बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़’ अभियान को मिल रही जमीनी मजबूती

नदी-नाले पार कर बचाया गया भविष्य

रायपुर,

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित ÷बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़÷ अभियान जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से साकार होता नजर आ रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग एवं जिला प्रशासन की सतर्कता और संवेदनशीलता के चलते दुर्गम एवं पहुँचविहीन क्षेत्र में नदी-नाले पार कर 12 वर्षीय बालिका का बाल विवाह समय रहते रोका गया। इस त्वरित कार्रवाई से न केवल एक मासूम का भविष्य सुरक्षित हुआ, बल्कि समाज में बाल विवाह जैसी कुप्रथा के विरुद्ध सशक्त संदेश भी गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 02 जनवरी 2026 को प्रशासन को सूचना मिली कि सुकमा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत रामाराम के सुदूर गांव नाड़ीगुफा में एक नाबालिक बालिका का विवाह किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर के मार्गदर्शन में तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के नेतृत्व में जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड लाइन तथा विभागीय अमले की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने उफनते नदी-नालों और अत्यंत दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद पैदल यात्रा कर गांव तक पहुँच बनाई और समय रहते विवाह प्रक्रिया में हस्तक्षेप किया।

मौके पर यह पाया गया कि पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह की सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी थीं। अधिकारियों द्वारा संवेदनशीलता के साथ परिजनों एवं ग्रामीणों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों, कानूनी दायित्वों तथा इसके गंभीर सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। प्रशासन की समझाइश का सकारात्मक प्रभाव पड़ा और परिजनों ने स्वेच्छा से बाल विवाह रोकने का निर्णय लिया। ग्रामीणों की उपस्थिति में विधिवत पंचनामा तैयार कर कार्रवाई को औपचारिक रूप दिया गया। कार्रवाई के दौरान बालिका को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उसके सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य के लिए परिजनों को प्रेरित किया गया। साथ ही शासन की विभिन्न बाल संरक्षण एवं शिक्षा से संबंधित योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा 10 मार्च 2024 को ÷बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़÷ अभियान का शुभारंभ किया गया था।

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा 13,823 बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों को अधिसूचित किया गया है। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप नवंबर 2025 तक प्रदेश में 189 बाल विवाह रोके जा चुके हैं। राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों एवं जनसहभागिता के चलते बालोद जिला पूर्णतः बाल विवाह मुक्त जिला घोषित किया जा चुका है, जो पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत है। वर्ष 2025-26 के लिए राज्य शासन ने 31 मार्च 2026 तक राज्य की 50 प्रतिशत ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने तथा 31 मार्च 2029 तक छत्तीसगढ़ को पूर्णतः बाल विवाह मुक्त राज्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस को जल्द मिलेगा नया प्रदेश अध्यक्ष

संगिता सिन्हा और चन्नी साहू सहित पांच का दिल्ली से आया बुलावा

रायपुर।

नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन के लिए आज नई दिल्ली में साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। इस इंटरव्यू में खुद भारतीय राष्ट्रीय महिला कांग्रेस की प्रमुख अलका लांबा मौजूद रहेंगी। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुषांगिक संगठन महिला कांग्रेस को फिर से सक्रिय करने की कवायद आलाकमान ने शुरू कर दी है। एआईसीसी जल्द ही छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस के लिए नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है।

नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन के लिए नई दिल्ली में साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। इंटरव्यू में खुद भारतीय राष्ट्रीय महिला कांग्रेस की प्रमुख अलका लांबा मौजूद रहेंगी। साक्षात्कार के लिए दिल्ली आलाकमान ने कांग्रेस विधायक संगीता सिन्हा और पूर्व विधायक चन्नी साहू सहित कुल पांच नेताओं को दिल्ली बुलाया है। बता दें कि संगीता सिन्हा को भूपेश खेमे, जबकि चन्नी साहू को टीएस सिंहदेव खेमे का समर्थन हासिल है। हालांकि, दोनों में से किसी एक खेमे से नए प्रदेश अध्यक्ष का चयन लगभग तय माना जा रहा है। चयन की जिम्मेदारी राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा सहित राष्ट्रीय नेताओं के पैनल को सौंपी गई है।

संपादकीय

खेलों में परचम लहराता भारत

खेल क्षेत्रों में भारत का नया रिकार्ड कायम होता दिख रहा है।यह प्रश्न हमेशा मौजूद रहा है कि भारत पदक तालिका में अपनी मौजूदा दयनीय स्थिति से कैसे उबरे। बिंद्रा समिति इसका मूलमंत्र बताया है कि खेल प्रशासन को पेशेवर बनाना, जिसमें जवाबदेही तय करने की करने की ठोस व्यवस्था हो। सिर्फ प्रतिभा की बदौलत अंतराष्ट्रीय स्तर पर खेल में सफलता कभी- कभार ही मिल सकती है। निरंतरता लानी हो, तो उसका राज़ पेशेवर नजरिया है। ओलिंपिक या अन्य खेल आयोजनों में पदक जीतने के ऐसे नजरिए से संचालित सिस्टम अपरिहार्य है। यह सार-संक्षेप है कि 170 पेज की रिपोर्ट का, जिसे ओलिंपिक खेलों में भारत के पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा के नेतृत्व वाली कमेटी ने तैयार किया है।

2026 में पराश्रित 'विकसित भारत'!

हरिशंकर व्यास

कुछ-कुछ 2025 जैसा ही 2026 में संभव। ऊपर से भौकाल मचाते आंकड़े वही जमीनी असलियत में खोखला। विश्व बाजार में पिछले साल भारत का रुपया लुढ़का वही आर्थिक तथा बाजार की रौनक चीनी कारखानों के उत्पादों पर आश्रित। वैश्विक वास्तविकताओं में यह हमेशा सुना गया है कि जो विकसित है या विकसित होता हुआ है तो उसकी करेंसी उसी अनुपात में मंहगी, मूल्यवान होती है। वहां के नागरिकों के पासपोर्ट का मान बढ़ता है। पर मोदी राज के हवाबाज ढोलों का कमाल है जो रुपया, निर्यात लुढ़के, बेरोजगारी बढ़ी मगर फिर भी ब्रिटेन, जापान, जर्मनी सभी को भारत पछाड़ता हुआ। आगे बस चीन और अमेरिका का नंबर आना है। भारत के पासपोर्ट का जहां सवाल है तो विश्वगुरू बन गए पर अपना पासपोर्ट अफ्रीकी देशों के पासपोर्ट से भी कमजोर, लुढ़कता हुआ।

सच्चाई है कि भारत की आबादी दुनिया की कुल आबादी का साढ़े 17 प्रतिशत है जबकि बेचारे ब्रिटेन, जापान, जर्मनी की कुल आबादी सिर्फ तीन प्रतिशत है। भारत 140 करोड़ लोगों की भीड़ लिए हुए है वही ब्रिटेन, जर्मनी, जापान तीनों देशों की कुल आबादी 24 करोड़ है। मतलब भारत के मध्यवर्ग की अनुमानित संख्या से भी कम।

लेकिन 2026 की ताजा शुरूआत जापान को पछाड़ देने के ढोल से हुई। यह शोर लगातार बढ़ना है। जबकि विकसित ब्रिटेन, जापान, जर्मनी बनाम भारत का बुनियादी फर्क है जो ये देश आत्मनिर्भर आर्थिकी के गौरव में सांस लेते हैं वही भारत की आर्थिकी चीन आश्रित है। भारत किसी भी मामले में अब आत्मनिर्भर नहीं है। 2014 के बाद से भारत का विकास या तो बाजार के रूप में है या व्यापारिक लेन-देन, कृषि, सेवा और खैरात-रेवड़ियों की आर्थिकी से फलता-फूलता हुआ है।

ऐसा ही सुरक्षा, सामरिक, भू राजनीति में है। 2025 के ऑपरेशन सिंदूर में भारत के पक्ष में खुलकर बोलने वाला कौन देश था? ईमानदारी से केवल इजराइल। रूस ने तटस्थता रखी। डोनाल्ड ट्रंप ने मौके का फायदा उठाया तथा बाद में पाकिस्तान पर शहाथ रखा। चीन ने पाकिस्तान का हर संभव मदद दी। दक्षिण एशिया, आसियान देशों में भी भारत अलग-थलग था। वह स्थिति 2026 में और बढ़ेगी। 2026 में ट्रंप प्रशासन के साथ टैरिफ करार भले हो जाए लेकिन पाकिस्तान के लिए उसके खुले दरवाजे बंद नहीं होने हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश को लेकर अमेरिका, पश्चिमी देश, यूरोपीय संघ, जापान, ऑस्ट्रेलिया सभी तटस्थ रहने हैं। भारत की चिंताओं में कोई साझेदार नहीं होगा। तभी नोट रखें दिसंबर 2026 में भारत की आर्थिकी अधिक पराश्रित होगी तो भूराजनीति व सामरिक मामलों में भी भारत ज्यादा अलग-थलग होगा।

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन
PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

सिखों के दशम गुरु — गुरु गोविंद सिंह

अशोक प्रवृद्ध

उन्होंने देश, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सिखों को संगठित किया और उन्हें सैनिक परिवेश में ढाला। मान्यता है कि धर्म और न्याय की प्रतिष्ठा के लिए गुरु गोविंद सिंह का अवतरण हुआ था। इसी उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा था – मुझे परमेश्वर ने दुष्टों का नाश करने और धर्म की स्थापना के लिए भेजा है।

5 जनवरी ङ्क गुरु गोविंद सिंह जयंती

सिख धर्म के सर्वाधिक वीर योद्धा और निर्बलों को अमृतपान कर शस्त्रधारी बनाकर उनमें वीर रस भरने वाले सिख समुदाय के दसवें और अंतिम धर्मगुरु (सतगुरु) गुरु गोविंद सिंह (22 दिसम्बर, 1666 ई. – पटना, बिहार; 7 अक्टूबर, 1708 ई. – नांदेड़, महाराष्ट्र) न केवल सिखों के सैनिक संगति और ख़ालसा के सृजन के लिए प्रसिद्ध हैं, बल्कि वे उस ऐतिहासिक निर्णय के लिए भी लोकप्रसिद्ध हैं कि अब सिख पंथ में देहधारी गुरु की परंपरा समाप्त हो और गुरु ग्रंथ साहिब ही सर्वमान्य गुरु हो।

गुरु गोविंद सिंह ने सर्वप्रथम खालसा पंथ में सिंह उपनाम लगाने की शुरुआत की। उन्होंने आदेश दिया कि आगे से कोई भी देहधारी गुरु नहीं होगा – गुरु की वाणी और गुरु ग्रंथ साहिब ही सिखों के लिए गुरु की भूमिका रखेंगे। एक प्रवीण कवि के रूप में गुरु गोविंद सिंह ने समय के अनुकूल योगियों, पंडितों और संतों के लिए बाणी की रचना की, जिसे बाद में बेअंत बाणी कहा गया।

ऐसे महान योद्धा और गुरु का जन्म मुग़ल शासन के समय पौष शुदी सप्तमी संवत 1723 (तदनुसार 22 दिसम्बर, 1666) को पटना शहर में गुरु तेग बहादुर और माता गुजरी के घर हुआ। उनका नाम गोविंद राय रखा गया। उनके जन्म पर पूरे शहर में उत्सव मनाया गया।

बचपन में गोविंद को खिलौनों से खेलना पसंद था, लेकिन वे तलवार, कृपाण, धनुष बाण से खेलने में भी रुचि रखते थे। बाल्यकाल से ही वे अत्यंत शरारती थे, परन्तु दूसरों को कष्ट नहीं देते थे। एक किस्सा प्रसिद्ध है कि वे सूत काटने वाली एक निसंतान वृद्धा के साथ शरारत करते थे – उसकी सूत की पूनियाँ बिखेर देते थे। जब वृद्धा उनके माता पिता के पास शिकायत लेकर जाती थी, तो माता गुजरी पैसे देकर उसे खुश कर देती थीं। एक बार माता गुजरी ने गोविंद से कारण पूछा कि तुम वृद्धा को तंग क्यों करते हो? गोविंद ने सहज भाव से कहा कि वह उसकी गरीबी दूर करना चाहता है – क्योंकि अगर मैं उसे परेशान नहीं करूंगा, तो उसे पैसे कैसे मिलेंगे?

गोविंद राय को सैन्य जीवन का लगाव अपने दादा गुरु हरगोबिन्द सिंह से मिला था और उन्हें महान बौद्धिक संपदा भी विरासत में मिली थी। बहुभाषाविद गुरु गोविंद सिंह को फ़ारसी, अरबी, संस्कृत और पंजाबी भाषाओं का अच्छा ज्ञान था। उन्होंने सिख क़ानून को सूत्रबद्ध किया, काव्य रचना की, और सिख ग्रंथ दसम ग्रंथ (दसवाँ खंड) लिखकर प्रसिद्धि पाई।

उन्होंने देश, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सिखों को संगठित किया और उन्हें सैनिक परिवेश में ढाला। मान्यता है कि धर्म और न्याय की प्रतिष्ठा के लिए गुरु गोविंद सिंह का अवतरण हुआ था। इसी उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा था – मुझे परमेश्वर ने दुष्टों का नाश करने और धर्म की स्थापना के लिए भेजा है। यही कारण है कि आज भी गुरु गोविंद सिंह के जन्म उत्सव को गुरु गोविंद जयंती के रूप में श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर गुरुद्वारों में भव्य कार्यक्रमों के साथ गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ होता है और अंत में सामूहिक भंडारा यानी लंगर का आयोजन होता है।

नवीन मत के अनुसार 2026 में गुरु गोविंद सिंह जयंती 5 जनवरी को मनाई जाएगी। खालसा पंथ में विशेष महत्त्व रखने वाले इस अवसर पर उनके जन्म स्थल पटना साहिब तथा आनंदपुर साहिब (गुरुद्वारा केशगढ़ साहिब) और अन्य स्थानों पर जयंती अत्यधिक धूमधाम से मनाई जाती है।

अपने पिता गुरु तेग बहादुर की बलिदान के बाद, जब वे केवल 9 वर्ष के थे, तो बालक गोविंद राय को गुरु गद्दी संभालनी पड़ी। गुरु की गरिमा बनाए रखने के लिए उन्होंने अपना ज्ञान बढ़ाया और संस्कृत, फ़ारसी, पंजाबी और अरबी भाषाएँ सीखीं। उन्होंने धनुष बाण, तलवार, भाला आदि हथियार चलाने की कला भी सीखी। उन्होंने अन्य सिखों को भी अस्त्र शस्त्र चलाना सिखाया। सिखों को अपने धर्म, जन्मभूमि और अपनी रक्षा के लिए संकल्पबद्ध किया और उन्हें मानवता का पाठ पढ़ाया। उनका नारा था – सत श्री अकाल।

जाति भेद और सम्प्रदायवाद को जड़ से समाप्त करने हेतु गुरु गोविंद सिंह ने एक क्रांतिकारी कदम उठाया। देश के अलग अलग भागों तथा समाज के विभिन्न जातियों और सम्प्रदायों से आए पांच प्यारे – जिन्हें पंच प्यारे के नाम से जाना जाता है – को एक ही कटोरे में अमृत पिला कर एक किया गया। इस क्रांति के बीज से उन्होंने जाति भेद तथा सम्प्रदायवाद को मिटाया।

परंपरा के अनुसार, पंजाब में फ़सल की कटाई पहली बैसाख को ही शुरू होती है और देश के अन्य हिस्सों में भी इसी दिन फ़सल कटाई का त्योहार मनाया जाता है। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि बैसाखी दिवस को गुरु गोविंद सिंह के जीवन के आदर्शों को देश, समाज और मानवता की भलाई के लिए प्रेरणा मानकर श्रद्धापूर्वक मनाने से आतंकवाद तथा हमलावरों का सामना किया जा सकता है।

गुरु गोविंद सिंह ने सिखों में युद्ध की भावना तथा जीवन का उत्साह बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए। उन्होंने वीर काव्य और संगीत का सृजन किया और सिखों में लौह कृपा अर्थात कृपाण के प्रति प्रेम विकसित किया। खालसा को पुन: संगठित सिख सेना का मार्गदर्शक बनाकर उन्होंने दो मोर्चों पर शत्रुओं के खिलाफ क़दम उठाए – पहला मुग़लों के खिलाफ फ़ौज, और दूसरा विरोधी पहाड़ी जनजातियों के खिलाफ युद्ध। उनकी सैन्य टुकड़ियाँ सिख आदर्शों के प्रति पूरी तरह समर्पित थीं और सिखों की धार्मिक तथा राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए सब कुछ दांव पर लगाने को तैयार थीं। लेकिन गुरु गोविंद सिंह को इस स्वतंत्रता की भारी कीमत चुकानी पड़ी। अंबाला के पास एक युद्ध में उनके चारों बेटे मारे गए।

गुरु गोविंद सिंह ने धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र की आन बान शान के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया। उनके सामने पहाड़ी राजाओं की ईर्ष्या पहाड़ जैसी ऊँची थी। दूसरी ओर औरंगज़ेब की धार्मिक कट्टरता की आँधी लोगों के अस्तित्व को लील रही थी। ऐसे समय में गुरु गोविंद सिंह ने समाज को एक नया दर्शन दिया। उन्होंने आध्यात्मिक स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए तलवार धारण की।

गौरतलब है कि गुरु गोविंद सिंह और मुगल बादशाह बहादुर शाह ढ्ढ मित्र भी थे। गुरु जी ने अपने सैनिकों के साथ जांजू की लड़ाई में बहादुर शाह का साथ दिया, जिससे 8 जून 1707 को आगरा के पास बहादुर शाह की विजय हुई। प्रसन्न होकर बादशाह ने गुरु जी को आगरा बुलाया और उन्हें एक बड़ी कीमती सीरोपायो (सम्मान के वस्त्र) तथा एक धुकधुकी (गर्दन का गहना) भेंट की, जिसकी कीमत लगभग 60,000 रुपये थी। मुगल सरकार के साथ एक पुराने मतभेद का समाधान संभव दिखाई दे रहा था। इसी बातचीत के दौरान बहादुर शाह ने कछवाहा राजपूतों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु दक्षिण की ओर कूच किया। उनके भाई कामबख़्श ने बग़ावत कर दी। बग़ावत दबाने हेतु बादशाह दक्षिण की ओर चला गया और गुरु जी को भी साथ ले गया। इस सम्पूर्ण घटनाक्रम में गुरु जी का संघर्षरत रहना उनके महान कर्मयोगी होने का प्रमाण है।

उन्होंने खालसा का मार्ग देश की अस्मिता, भारतीय विरासत और जीवन मूल्यों की रक्षा के लिए अपनाया। वे सभी प्राणियों को आध्यात्मिक स्तर पर परमात्मा का ही रूप मानते थे। धर्म और समाज की रक्षा के लिए गुरु गोविंद सिंह ने 1699 ई. में शुद्ध, निर्मल और बिना किसी मिलावट वाले व्यक्तियों का समूह बनाया, जिसे खालसा कहा गया। प्रत्येक परिस्थिति में ईश्वर का स्मरण करते हुए स्वकर्म को स्वधर्म मानकर जुल्म और जालिम से लोहा लेने के लिए तत्पर खालसा हमारी मर्यादा और भारतीय संस्कृति की पहचान है।

गुरु गोविंद सिंह ने एक नया नारा दिया –
वाहे गुरु जी का खालसा, वाहे गुरु जी की फतेह।

गुरु जी द्वारा स्थापित खालसा का पहला धर्म यह है कि वह देश, धर्म और मानवता की रक्षा के लिए तन मन धन सब न्यौछावर कर दे। निर्धनों, असहायों और अनाथों की रक्षा के लिए सदैव आगे रहे।

यह निजी विचार है।

असल 'धुरंधर' अमेरिका

हरिशंकर व्यास

यह तारीफ़ नहीं है। वह सत्यमेव जयते है, जिसका आधार बुद्धि ज्ञान और सैन्य शक्ति, दोनों के एवरेस्ट की वाह है। अमेरिका ने सन् 2025-26 में दिमाग से कृत्रिम बुद्धि को स्थापित कर जहां मानवता को चमत्कृत किया, वहीं तीन जनवरी 2026 की रात में उसके सैन्य बल ने वेनेज़ुएला देश के राष्ट्रपति को उठा कर विश्व को चौंकाया। व्यर्थ है इसके लिए डोनाल्ड ट्रंप को 'धुरंधर' बताना। असल सत्य ढाई सौ साल पुराने अमेरिका के उस संविधान, उस व्यवस्था का है, जिसमें असंभव को संभव बनाने का डीएनए व्यक्तिगत स्वतंत्रता के सांचे की धुन में निहित है। यह व्यवस्था की वह बुनावट है, जिसमें हर व्यक्ति असंभव को संभव बनाने के अवसर को खोजता है, लपकता है और उसमें अपने को खपाता है।

भारत में हम लोग व्यक्तियों, चेहरों यानी राष्ट्रपतियों, नेताओं को ताकते हैं, जबकि धुरंधरी व्यवस्था से बनती है। सिस्टम से उत्प्रेरित व्यक्तिगत मानसिकता, वृत्ति और आचरण से ही फिर अर्थ (पूंजीवाद, नवाचार, तकनीक, वित्तीय धुरी), काम (इच्छा, व्यक्तिगत भोग, उपभोक्तावाद, प्रतिस्पर्धा, जुनून, विलासिता) तथा धर्म की सार्वभौमिक, सेक्युलर समझ पैठती है। निश्चित ही खांटी अमेरिकी लोग परलोक, जन्म जन्मांतर या मोक्ष मुक्ति की धारणाओं में नहीं जीते हैं। वे वर्तमान के सत्य में जीते हैं। वहां के नागरिक अंधविश्वासों, टोने टोटकों, भक्ति और झूठ से लगभग मुक्त हैं। वे अतीत में नहीं, आधुनिकता में आगे बढ़ते जाने के लिए सतत हाथ पांव मारते हैं।

इसलिए डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका में भी वही है, जो जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बराक ओबामा या राष्ट्रपति आइज़नहावर और उनके विदेश मंत्री जॉन फोस्टर डलेस के ÷डोनरो डॉक्ट्रिन÷ के शक्ति सूत्र में था। वेनेजुएला के ताज़ा प्रकरण में मुझे राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की कद काठी, भाव भंगिमा, बड़बोलेपन से बार बार सद्दाम हुसैन, कर्नल गद्दाफ़ी, ओसामा बिन लादेन, इस्लामिक स्टेट के बग़दादी आदि वे चेहरे याद होते हैं, जो कथित शक्ति, क्रूरता, बर्बरता के सूरमा भोपाली थे (इतिहास में एक नाम हिटलर भी है)। ये सब किसके शिकार हुए?

अमेरिकी सैन्य ऑपरेशनों के। सही है कि इस काम में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपतियों की संख्या अधिक है, मगर डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपतियों ने भी संकोच नहीं किया। राष्ट्रपति बराक ओबामा ने ट्रंप के ताज़ा 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिज़ॉल्व' की तरह ही 'ऑपरेशन नेप्च्यून स्पीयर' को हरी झंडी दी थी। पाकिस्तान के एबटाबाद में अमेरिका की नेवी सील टीम ने 9/11 हमलों के मास्टरमाइंड ओसामा को 1ङ्क2 मई 2011 की रात में मारने के ऑपरेशन को वैसे ही अंजाम दिया, जैसे इस तीन जनवरी की आधी रात को काराकास के राष्ट्रपति भवन में निकोलस मादुरो को दबोचने का सैन्य अभियान हुआ।

सो, ओबामा हों या डोनाल्ड ट्रंप, ये उस अमेरिकी व्यवस्था के प्रतिनिधि हैं, जिसमें ओलंपिक मेडल जीतना सामान्य बात है, तो सिलिकॉन वैली में कृत्रिम बुद्धि (एआई) की रचना का प्रतिमान भी सामान्य है; तो नौसेना की नेवी सील टीम हो या डेल्टा फ़ोर्स या सीआईए, सभी अपनी क्षमताओं का वह जज़्बा लिए होते हैं, जो वेयक्तिक धुन, टीम में पकती है और फिर बस उद्देश्य व कमांड की ज़रूरत होती है।

ऐसे जज़्बे वाले दूसरे देश का नाम इज़राइल है। इज़राइल की वजह यहूदियों का इतिहास बोध और संकल्प है। इज़राइल ने 1948 में गठन के बाद से व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बूते ही अर्थ, धर्म, काम की मनुष्य वृत्तियों में नागरिकों और व्यवस्था को ऐसा बनाया है कि प्रधानमंत्री कोई हो, वह ज्ञात ख़तरों के प्रति कभी लापरवाह नहीं होता। इज़राइली व्यवस्था भी चेक बैलेंस में पाबंद है। नेतन्याहू हों या कोई प्रधानमंत्री, वे संस्थाओं और व्यवस्थाओं की स्वतंत्रता, जीवंतता का गला नहीं घोंटते। तभी ये दो ही देश हैं, जो विश्व राजनीति में बतौर धुरंधर बाकी सभी देशों को ठेंगा दिखाते हैं। ये जो चाहते हैं, वह करते हैं, फिर भले कोई इसे दादागीरी कहे या गुंडागर्दी!

सन् 2025 की जनवरी से इस तीन जनवरी की ताज़ा घटना में डोनाल्ड ट्रंप की पहचान मनमर्ज़ी की है। इससे अमेरिकी पहचान बिगड़ी, तो अमेरिका में भी आर पार की राजनीति के पाले बने हैं। मगर अमेरिका के हित की कसौटी में गौर करें, तो ट्रंप के फैसले अर्थिकी, सैन्य क्षमता, उद्यमशीलता, सामाजिक संरचना, पूंजीवाद आदि, सभी कसौटियों में ठीक ही हैं। भाषा और तौर तरीकों का फर्क है; अन्यथा राष्ट्रहित में उनके वैश्विक फैसलों (टैरिफ़ जंग, चीन को कसना, यूरोपीय देशों के सुरक्षा खर्च का बोझ घटाना, अपने से सटे दक्षिण अमेरिकी देशों यानी पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व की दादागीरी पर क्यों अमेरिका में कोई आपत्ति करेगा?

वेनेजुएला के तानाशाह राष्ट्रपति को उठवाने के बाद ट्रंप ने कहा है, अब से ÷पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व पर फिर कभी सवाल नहीं उठेगा। अमेरिका बहुत लंबे समय से 'मुनरो डॉक्ट्रिन' पर अमल के प्रति लापरवाह था। अब से ऐसा नहीं होगा।÷ ध्यान रहे, 'मुनरो डॉक्ट्रिन' का उद्देश्य लैटिन अमेरिका से विदेशी शक्तियों को बाहर रखना है। मतलब पूंजीवादी अमेरिका को अपने पिछवाड़े या पड़ोस में सोवियत संघ, रूस, वामपंथियों का प्रभाव बर्दाश्त नहीं। इस नीति के कारण उन्नीसवीं सदी में अमेरिका ने पनामा, निकारागुआ, क्यूबा, बोलीविया, चिली, अर्जेंटीना आदि सभी देशों में हस्तक्षेप किया, सरकारें बदलीं, दक्षिणपंथी सरकारें बनवाईं। शीत युद्ध के दौरान क्यूबा पर तो अमेरिका और सोवियत संघ में ज़बरदस्त ठनी थी, जिसके समाधान में सोवियत संघ झुका, उसने क्यूबा से अपनी मिसाइलें हटाईं।

वे दिन वापिस लौट आए हैं। डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा है कि अमेरिका अब वेनेजुएला को ÷चलाएगा÷, यदि ज़रूरत पड़ी तो ज़मीन पर सैनिक उतार कर भी। वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार हैं। उसकी कंपनियां ÷बेहद विशाल संपदा÷ निकालेंगी। अमेरिकी और वेनेजुएलावासी, दोनों की अमीरी बढ़ेगी। इसके साथ ट्रंप ने कोलंबिया और क्यूबा को भी धमकाया है। उन्होंने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो पर ÷कोकीन बनाकर÷ उसे ÷अमेरिका भेजने÷ का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि वे अब अपने को बचाएं।

विश्व राजनीति में अपने इलाके में अपनी दबंगई की चाह हर महाबली को रही है। इसी कारण रूस के पुतिन ने यूक्रेन में पंगा बनाया। ऐसे ही चीन अपने प्रभाव क्षेत्र की ज़िद में है। हिसाब से दक्षिण एशिया में भारत का हित भी पड़ोसी देशों पर प्रभाव बनाए रखने से, बाहरी प्रभाव यानी चीन को बाहर रखे रखने में है। मगर भारत की व्यवस्था पोली है, चेहरे ठगने वाले हैं; इसलिए चीन को आंख दिखाने या अपने इलाके में अपने रुतबे की ताक़त ही नहीं है। लालबहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी (दोनों की कमान में दुनिया ने असल सैन्य क्षमता जानी थी) के अपवाद को छोड़, भारत की व्यवस्था और उसके तमाम प्रधानमंत्री या तो रक्षात्मक रहे हैं या जनता को दिखावे, शौर्य के ऑपरेशन बनाते हुए।

याद करें युगांडा के हवाईअड्डे से नागरिकों को छुड़वाने के इज़राइली ऑपरेशन को; या अमेरिका के पाकिस्तान में आतंकियों को मारने, ईरान के एटमी ठिकानों पर हमले; या वेनेजुएला के ताज़ा 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिज़ॉल्व' के परिणामों को। और अब ज़रा प्रधानमंत्री मोदी के छप्पन इंची छाती की कमान में बने ऑपरेशनों पर ध्यान दे? उनके क़िस्से हैं, कहानियां हैं, फ़िल्में हैं, पर परिणाम शून्य। पिछले ग्यारह वर्षों में भारत ने उरी की छावनी में घुसपैठ देखी। वही पुलवामा की आतंकी भयावहता दहलाने वाली थी; तो पहलगाम में हत्याएं नृशंसज मगर इन घटनाओं का एक भी दोषी, आतंकी अपराधी भारत की जेल में नहीं है। जबकि ट्रंप अभी कोकीन सप्लाई के आरोप में वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उठवा कर न्यूयॉर्क की अदालत में पेश करने वाले हैं; उधर एटमी ख़तरे में ईरान के एटमी ठिकाने पाताल में धंसा दिए हैं। जबकि भारत की सूरमा एजेंसियों, धुरंधरों का बूता नहीं है जो वे दाऊद इब्राहिम को दबोचें या भारत में ख़ौफ़नाक घटनाओं के ज़िम्मेदार आतंकी, मौलाना मसूद अज़हर, हाफ़िज़ सईद, लख़्वी, कासकर को पाकिस्तान से उठा कर जेल में डालें।

बहरहाल, अमेरिका की एजेंसियां व संस्थाएं ठोस हैं, तो नतीजे भी असल और ठोस होंगे। वेनेजुएला के ऑपरेशन की गूंज चीन रूस को भी हैसियत बताने वाली है। दोनों देशों के हाथ पांव फूलेंगे। वेनेजुएला का राष्ट्रपति रूस के भरोसे था; सो, फिर साबित है कि रूस या चीन में वह क्षमता ही नहीं कि किसी के लिए वे अमेरिका से भिड़ें। चीन आज बैटरी यानी ईवी वाहनों के उत्पादनों से वैश्विक बाज़ार में जो डंका बजाए हुए है, उस पर संकट आ सकता है। इसका अधिकांश कच्चा माल, लिथियम, निकल, कोबाल्ट, ग्रेफाइट-दक्षिण अमेरिका की खदानों से (चिली, अर्जेंटीना और बोलीविया के 'लिथियम ट्रायंगल' व ब्राज़ील की 'लिथियम वैली') मिलता है। सो, असंभव नहीं कि ट्रंप प्रशासन अपने रुतबे में चीन की सप्लाई रुकवाए। अमेरिकी विदेश रक्षा नीति में 'मुनरो डॉक्ट्रिन' पर अमल का संकल्प ठोस हुआ, तो सर्वाधिक प्रभावित चीन होगा।

दक्षिण अमेरिका को चीन ने चुपचाप लपेटे में लिया है। ब्राज़ील के राष्ट्रपति लूला, ब्रिक्स के ज़रिए चीन से जो नाता बनाए हुए हैं, वह ट्रंप प्रशासन को खटक रहा है। तभी 2026 में कोलंबिया, क्यूबा के बाद ब्राज़ील भी ट्रंप प्रशासन के निशाने में होगा। उधर ट्रंप ने ईरान के अयातुल्ला शासन को धमकी दी है कि वे अपने प्रदर्शनकारियों पर गोली न चलाएं; अन्यथा अमेरिका चूकेगा नहीं। मेरा मानना है कि इज़राइल तथा खाड़ी अरब के सुन्नी बहुल देश-सभी मिलकर-शिया ईरान पर ट्रंप प्रशासन से कार्रवाई चाहते होंगे।

ईरान भी रूस चीन पर आश्रित है; तो वेनेजुएला की तरह यदि ईरान का अमेरिका ने टेकओवर किया, तो विश्व राजनीति में अकल्पनीय धमाल होगा। उससे पाकिस्तान, भारत, रूस, दक्षिण एशिया-सब प्रभावित होंगे। इसलिए 2026 की शुरुआत असाधारण है। वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन पर दुनिया चाहे जो कहे, हल्ला करे-पर ट्रंप रुकने वाले नहीं हैं। पिछले वर्ष उन्होंने व्यापार अर्थिकी के मोर्चे पर दुनिया को घायल किया; तो इस वर्ष वे सामरिक भूराजनीतिक मोर्चे में हैरान परेशान करने वाले हैं। नोट रखिए-कोई कुछ नहीं कर सकता। इसलिए क्योंकि अमेरिकी व्यवस्था का कोई तोड़ नहीं है।

जिन्ना का पाकिस्तान इंटरनेशनल मोनेटरी फंड के सामने नतमस्तक

बेबस जनता खाने को तरस रही है।

संजीव ठाकुर,वरिष्ठ पत्रकार,

जिन्ना के सपनों का पाकिस्तान आज अपने सबसे भीषण आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक संकट के दौर से गुजर रहा है, जहां वह इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड के सामने पूरी तरह नतमस्तक दिखाई देता है और उसका तथाकथित आयरन फ्रेंड चीन भी आंखें फेर चुका है, पाकिस्तानी रुपया डॉलर के मुकाबले ऐतिहासिक रूप से गिरकर लगभग 287 के स्तर तक पहुंच गया है, विदेशी मुद्रा भंडार सिमटकर मात्र 3.10 अरब डॉलर रह गया है जो मुश्किल से 15 दिनों के आवश्यक आयात को ही संभाल सकता है, ऐसे में महंगाई, बेरोजगारी और भुखमरी ने पूरे देश में त्राहि-त्राहि मचा दी है, आईएमएफ की शर्तों को मानने की मजबूरी में पाकिस्तान सरकार ने गैस के दामों में लगभग 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है और बिजली की कीमतों में प्रति यूनिट कई रुपये का इजाफा कर दिया है, जिसका सीधा असर आम जनता पर पड़ा है, पंजाब से लेकर बलूचिस्तान और सिंध तक लोग सड़कों पर उतर आए हैं, विरोध और विद्रोह की आवाजें तेज हो रही हैं, आटा 250 रुपये किलो में भी मुश्किल से मिल रहा है, चावल गायब है और शक्कर आम आदमी के लिए कड़वी सच्चाई बन चुकी है, प्रधानमंत्री नवाज शरीफ द्वारा दिवालियेपन की कगार पर पहुंचने की स्वीकारोक्ति इस बात का प्रमाण है कि पाकिस्तान अब केवल कर्ज लेकर कर्ज चुकाने के दुष्चक्र में फंस चुका है, संयुक्त अरब अमीरात और खाड़ी देशों का सहायता से इनकार करना और चीन द्वारा सीपीईसी परियोजनाओं में कार्यरत अपने नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी स्वयं उठाने का संकेत देना पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय साख के पतन को दर्शाता है, आतंकवाद को राज्य नीति का औजार बनाकर जिन्ना के पाकिस्तान ने जो रास्ता चुना था उसी का परिणाम है कि आज वह वैश्विक स्तर पर अलग-थलग पड़ गया है, जहां एक ओर भारत 15 अगस्त 1947 के बाद लोकतंत्र, विकास और वैश्विक सहयोग के रास्ते पर चलते हुए विश्व की प्रमुख आर्थिक और सामरिक शक्तियों में शामिल हो चुका है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान आतंकवाद, अस्थिरता और गलत नीतियों के कारण कंगाली और अराजकता की ओर बढ़ गया है, श्रीलंका जैसे हालात की आशंका अब केवल संभावना नहीं बल्कि वास्तविकता के बेहद करीब है, इसके बावजूद कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर राग अलापना पाकिस्तान के राजनीतिक नेतृत्व के मानसिक दिवालियापन को उजागर करता है, आज पाकिस्तान के पास अपनी आवाम को बचाने के लिए न तो संसाधन हैं और न ही विश्व का भरोसा, केवल आईएमएफ की कठोर शर्तें ही उसे कुछ समय की सांस दे सकती हैं, लेकिन यदि उसने आतंकवाद से दूरी, आर्थिक सुधारों और पड़ोसी देशों के साथ व्यवहारिक नीति की ओर आमूलचूल परिवर्तन नहीं किया तो वह दिन दूर नहीं जब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी उससे हाथ खींच लेगा और पाकिस्तान इतिहास में एक असफल राष्ट्र के रूप में दर्ज हो जाएगा।

गायन–बयान की मधुर लय शांति और आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करती है : सर्बानंद सोनोवाल

सर्बानंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ में 'मृदंगिया गायन-बायन' निकाय के राज्य सम्मेलन में भाग लिया

सर्बानंद सोनोवाल ने गायन-बायन परंपरा में योगदान के लिए बंशी बकलियाल को सम्मानित किया

सर्बानंद सोनोवाल ने तकनीक-संचालित युग में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करने का आह्वान किया

पीआईबी

केंद्रीय पत्तन,पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने आज डिब्रूगढ़ के राजगढ़ में आयोजित 'मृदंगीय गायन-बयान संस्था, असम' के दूसरे द्विवार्षिक पूर्ण राज्य सम्मेलन में भाग लिया। वे एक दिवसीय अखंड भागवत पाठ और श्री श्री औनियाती सत्रा के एक औपचारिक कार्यक्रम में भी शामिल हुए। श्री सोनोवाल ने सभा को संबोधित करते हुए मृदंगिया गायन-बयान परंपरा के अभ्यास, संरक्षण और प्रसार में संगठन के निरंतर योगदान की सराहना की और इसे असम के सांस्कृतिक जीवन का एक अभिन्न अंग बताया। श्री सोनोवाल ने कहा कि मृदंगिया गायन-बयान परंपरा असम के सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न अंग है। निरंतर अभ्यास और समर्पण के माध्यम से इसने हमारे सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध किया है और युवा पीढ़ियों को हमारी शास्त्रीय और लोक परंपराओं से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मृदंगिया गायन-बयान संस्था जैसे संगठनों ने प्रशिक्षण, प्रदर्शन और अनुशासित अभ्यास के माध्यम से परंपरा को युवा पीढ़ी से जोड़कर यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है कि असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत फ्लती-फूलती रहे।

श्री सोनोवाल ने आगे कहा कि आज इस विशाल सांस्कृतिक परिदृश्य को अपनी आंखों से देखकर मैं सचमुच अभिभूत हूं। अनादिकाल से हमारे गांवों में गायन-बयान परंपरा का पालन किया जाता रहा है। मैं भी इसी गांव का पुत्र हूं। बचपन से ही मैंने अपने नामघरों को खोल और मृदंग की ध्वनि से गूंजते हुए देखा और सुना है। मृदंग प्राचीन भारत के प्रमुख शुभ वाद्ययंत्रों में से एक है। पौराणिक कथाओं में इसे 'दिव्य वाद्ययंत्र' बताया गया है। इसका कोई लिखित ग्रंथ या नियमावली नहीं है; बल्कि यह एक विशिष्ट परंपरा और शैली के माध्यम से पीढ़ियों से विकसित और कायम है। असम के गाँवों में फैली गायन-बयान परंपराओं को एक मंच पर एकत्रित करना अत्यंत संतोष और गर्व की बात है। इस कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को मैं हार्दिक धन्यवाद देता हूं जिन्होंने इसे आज संभव बनाया।

कार्यक्रम के दौरान, सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ जिले के कमारचुक गांव के एक प्रतिष्ठित बायन कलाकार बंशी बकलियाल को मृदंगीय गायन-बयान के अभ्यास, प्रशिक्षण और प्रदर्शन के प्रति दशकों के समर्पण के लिए सम्मानित किया। सोनोवाल ने असम की पारंपरिक कलाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए आयोजकों के निरंतर प्रयासों के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। इस कार्यक्रम में जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इसमें असम सरकार के संस्कृति मंत्री बिमल बोरा, राज्यसभा सांसद रामेश्वर तेली, औनियाती सत्रा अधिकारी श्री श्री पीतांबर देव गोस्वामी, असम पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के अध्यक्ष बिकुल डेका और अन्य गणमान्य व्यक्ति, सांस्कृतिक कलाकार और आम लोग उपस्थित थे।

नई दिल्ली में कम विजिबिलिटी के बीच यात्री घने स्मॉग से गुज़र रहे हैं.

आईबीबीआई अध्यक्ष रवि मित्तल ने आईआईसीए पीजीआईपी प्रोग्राम की वेबसाइट लांच की

पीआईबी

भारतीय दिवालियापन एवं दिवालिया बोर्ड (आईबीबीआई) के अध्यक्ष श्री रवि मित्तल ने सोमवार को परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षता करते हुए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) के पीजीआईपी कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

आईबीबीआई अध्यक्ष ने छात्रों को संबोधित करते हुए उन्हें मजबूत संस्थागत समर्थन का आश्वासन दिया और घोषणा की कि कुछ चयनित पीजीआईपी छात्रों के लिए आईबीबीआई में एक वर्ष की इंटर्नशिप के अवसर सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शोध कार्यकलापों में रुचि रखने वाले छात्र आगामी आईबीबीआई शोध कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर उन्हें आईबीबीआई के छात्रों की सूची में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

वेबसाइट लॉन्च कार्यक्रम में स्वागत भाषण आईआईसीए के महानिदेशक और सीईओ श्री ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने दिया, जिन्होंने क्षमता निर्माण, अकादमिक उत्कृष्टता और नियामकों तथा उद्योग के साथ घनिष्ठ जुड़ाव के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता रेखांकित की। इस कार्यक्रम के दौरान, आईआईसीए के दिवालियापन और दिवालिया केंद्र के विभागाध्यक्ष श्री सुधाकर शुक्ला ने पीजीआईपी केंद्र की गतिविधियों और उपलब्धियों का संक्षिप्त अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें इसकी अकादमिक कठोरता, उद्योग के साथ संबंध और पूर्व छात्र के बढ़ते नेटवर्क की रूपरेखा शामिल थी। यह वेबसाइट पीजीआईपी के पूर्व छात्रों को वर्तमान छात्रों से जोड़ने के लिए बनाया गया एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म है। यह पूर्व छात्रों की सहभागिता के माध्यम से छात्रों के लिए निरंतर संवाद, ज्ञान साझाकरण, समस्या-समाधान और उद्योग जगत के साथ बेहतर संपर्क में सक्षम बनाएगा। छात्रों ने एक संवादमूलक सत्र के दौरान आईआईसीए के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान सम्मेलनों, सेमिनारों में भाग लेने और उद्योग विशेषज्ञों के साथ सार्थक बातचीत के अवसरों का उल्लेख किया गया, जिसने उनकी शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्रा को अत्यधिक समृद्ध किया।

धूल और कचरा फिर से जमा होने से रोकने के लिए चिह्नित प्रमुख स्थानों पर लक्षित रूप से सुधार के उपाय करने के निर्देश दिए गए

पीआईबी

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में लागू श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) के वैधानिक ढांचे के अंतर्गत अपनी निरंतर निगरानी, ??समीक्षा और प्रवर्तन कार्रवाइयों के भाग के रूप में नोएडा प्राधिकरण की ओर से किए जा रहे रखरखाव वाले सड़क खंडों की सफाई, मशीनों से झाड़-पोंछ के कार्यों और समग्र रखरखाव की स्थिति का आकलन करने के लिए 05.01.2026 को नोएडा में निरीक्षण अभियान चलाया।

इस दौरान नोएडा प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में आने वाले 142 सड़क खंडों का निरीक्षण किया गया। इसका उद्देश्य धूल नियंत्रण के उपायों के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन का मूल्यांकन करना और सड़क पर दिखाई देने वाली धूल, नगरपालिका की ओर से ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) को जमा करने, निर्माण और तोड़फोड़ (सी एंड डी) से पैदा कूड़े और कूड़े को खुले में जलाने की घटनाओं से संबंधित मुद्दों की पहचान करना था। निरीक्षण के लिए उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) और सीएक्यूएम के उड़न दस्ते के अधिकारियों सहित दस टीमें तैनात की गईं। निरीक्षण के दौरान जियो-टैग और टाइम-स्टैम्प वाले फोटोग्राफिक साक्ष्य एकत्र किए गए और समेकित निरीक्षण रिपोर्ट के भाग के रूप में आयोग को प्रस्तुत किए गए। इस जांच के परिणाम समग्र रूप से उत्साहजनक स्थिति दर्शाते हैं। जिन 142 क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया उनमें से केवल 04 में धूल का स्तर अधिक पाया गया, 24 में मध्यम स्तर की धूल थी, 66 में धूल की कम तीव्रता दर्ज की गई और 48 में धूल दिखाई नहीं दी। सीमित क्षेत्रों में धूल का उच्च स्तर देखे जाने का संबंध कुछ मामलों में विशेष रूप से फ्लाईओवरों के नीचे, मेट्रो गलियारों और विशिष्ट मुख्य सड़क खंडों जैसे स्थानों पर नगरपालिका अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) और/या निर्माण और तोड़फोड़ के अपशिष्ट को जमा किए जाने से था। ये अवलोकन धूल और कूड़े को फिर से जमा किए जाने से रोकने और सभी सड़क खंडों पर लक्षित रूप से सफाई और धूल नियंत्रण उपायों को सुनिश्चित करने के लिए चिन्हित प्रमुख स्थानों पर केंद्रित होकर ध्यान देने की आवश्यकता को उजागर करते हैं। सीएक्यूएम ने विशेष रूप से संवेदनशील स्थानों पर नियमित रूप से मशीनों से झाड़-पोंछ, एकत्रित धूल और कचरे को तुरंत उठाकर वैज्ञानिक तरीके से निपटारा करने, प्रभावी तौर पर जल छिड़काव और कचरा फेंकने और उन्हें खुले में जलाने की घटनाओं की सख्त रोकथाम के माध्यम से सफाई के निरंतर और गहन प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। धूल से होने वाले प्रदूषण को कम करने और खुले में आग जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए वैधानिक निर्देशों और जीआरएपी के उपायों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए 'ऑपरेशन क्लीन एयर' के अंतर्गत निरीक्षण और प्रवर्तन अभियान पूरे एनसीआर में नियमित रूप से जारी रहेंगे।

सीएक्यूएम ने एनसीआर की सभी संबंधित एजेंसियों के साथ युद्धस्तर पर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्षेत्र में स्वच्छ, हरित, धूल रहित और सुव्यवस्थित सड़कें हों।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए तुरंत कदम उठाने का आह्वान किया

पीआईबी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) ने राष्ट्रीय राजमार्गों के विभिन्न हिस्सों में मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी की गंभीर समस्याओं को देखते हुए दूरसंचार विभाग (डीओटी) और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) से कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। राजमार्ग प्राधिकरण ने अनुरोध किया है कि दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को राष्ट्रीय राजमार्गों पर, विशेष रूप से नए और दूरस्थ क्षेत्रों में, मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्या को हल करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं। जन सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं और राष्ट्रीय राजमार्गों के रणनीतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए, एनएचआई ने पूरे देश में राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारों पर मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए त्वरित और समन्वित कार्रवाई का आह्वान किया है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा विस्तृत समीक्षा के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क पर लगभग 1,750 किलोमीटर क्षेत्र में फैले 424 स्थानों को मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी की अनुपलब्धता के कारण गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया गया है। इन स्थानों से जुड़ी विस्तृत जानकारी एकत्र कर उसे दूरसंचार विभाग और ट्राई के साथ औपचारिक रूप से साझा कर आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया गया है।

एक्सिस बैंक ने बढ़ते डिजिटल फ्रॉड से निपटने के लिए ग्राहक–नियंत्रित सुरक्षा सुविधाओं के साथ 'सेफ्टी सेंटर' लॉन्च किया

ग्राहकों को रियल–टाइम, पूरी तरह उनके नियंत्रण में रहने वाली सुरक्षा सुविधाएँ

स्स्र्र शील्डः उद्योग में पहली बार पेश किया गया यह फीचर बैंक संदेशों के स्रोत की प्रामाणिकता की पुष्टि करती है

सूक्ष्म नियंत्रणः इंटरनेट बैंकिंग बंद करने, फंड ट्रांसफर रोकने, PI सीमित करने, लिमिट तय करने और नए पेयी जोड़ने से रोकने की सुविधा

कई स्तर की सुरक्षा और भविष्य के लिए तैयार तकनीकों के साथ बैंक की सेफ बैंकिंग पहल को मजबूती

पीआईबी

देश में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने अपने मोबाइल बैंकिंग ऐप 'ओपन' पर नया 'सेफ्टी सेंटर' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह सुरक्षा केंद्र ग्राहकों को रियल-टाइम और उनके नियंत्रण में रहने वाली सुरक्षा सुविधाएँ देता है, जिससे वे बिना कस्टमर केयर कॉल किए या शाखा जाए, अपने खातों को अनधिकृत या संदिग्ध गतिविधियों से सुरक्षित रख सकते हैं।

सेफ्टी सेंटर डिजिटल बैंकिंग के अहम फंक्शनों पर पूरा नियंत्रण देता है, ताकि ग्राहक अपनी जरूरत और सुविधा के अनुसार सुरक्षा सेटिंग्स तय कर सकें। इसकी प्रमुख सुविधाएँ इस प्रकार हैंः

* **SMS शील्डः** इंडस्ट्री में पहली बार पेश की गई यह सुविधा, मैसेज के सेंडर आईडी को एक्सिस बैंक की आधिकारिक आईडी से मिलान कर SMS की प्रामाणिकता की जांच करती है।

इंटरनेट बैंकिंग बंद करेंः जरूरत न होने पर इंटरनेट बैंकिंग एक्सेस को पूरी तरह बंद किया जा सकता है।

* फंड ट्रांसफर रोकनाः एक ही टॉगल से मोबाइल बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंग के जरिए सभी फंड ट्रांसफर तुरंत रोके जा सकते हैं। * नेट बैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन शॉपिंग को रोकता हैः यह फीचर उन लेनदेन को भी ब्लॉक करता है जो थर्ड-पार्टी ऐप्स (जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म) के माध्यम से नेट बैंकिंग को भुगतान माध्यम के रूप में उपयोग करते हैं।

* **UPI पेमेंट रोकेंः** एक्सिस मोबाइल ऐप के जरिए होने वाले PI ट्रांजैक्शन को सीमित किया जा सकता है।

नए पेयी जोड़ने से रोकेंः यह सुनिश्चित करता है कि पैसे केवल पहले से स्वीकृत लाभार्थियों को ही ट्रांसफर हों।

* फंड ट्रांसफर और UPI के लिए लिमिट तय करेंः प्रति ट्रांजैक्शन लिमिट तय की जा सकती है; बड़ी राशि के ट्रांजैक्शन के लिए अतिरिक्त प्रमाणीकरण जरूरी होगा।

सेफ्टी सेंटर में की गई सुरक्षा सेटिंग्स तुरंत लागू हो जाती हैं, किसी भी तरह का इंतजार नहीं करना पड़ता। यह उपयोगकर्ताओं को पूरा नियंत्रण देता है, ताकि वे बिना किसी बाहरी मदद के अपने खातों को सुरक्षित कर सकें। चुनिंदा ब्लॉकिंग और रियल-टाइम कंट्रोल के जरिए डिजिटल फ्रॉड का जोखिम काफी कम हो जाता है। साथ ही, शाखाओं या कॉल सेंटर पर निर्भरता घटने से कामकाज की दक्षता बढ़ती है और ग्राहकों को तेज व सहज बैंकिंग अनुभव मिलता है।

लॉन्च पर बोलते हुए एक्सिस बैंक के ग्रुप एग्जीक्यूटिव - डिजिटल बिज़नेस, ट्रांसफॉर्मेशन और स्ट्रेटेजिक प्रोग्राम्स, समीर शेट्टी ने कहा, ÷एक्सिस बैंक में ग्राहक सुरक्षा हमेशा हमारी डिजिटल-फर्स्ट रणनीति का मूल रही है। सेफ्टी सेंटर, डिजिटल फ्रॉड में बढ़ोतरी से निपटने के लिए एक अहम कदम है, जो ग्राहकों को उनकी बैंकिंग सुरक्षा पर रियल-टाइम नियंत्रण देता है। हम लेयर्ड सुरक्षा और स्स्र्र शील्ड व इन-ऐप मोबाइल ह्रञक्क जैसी उन्नत प्रमाणीकरण सुविधाओं के जरिए अपने सुरक्षा उपाय लगातार मजबूत कर रहे हैं। ये सुविधाएँ बाहरी नेटवर्क पर निर्भरता कम करते हुए बिना रुकावट एक्सेस सुनिश्चित करती हैं। मजबूत सुरक्षा और सहज अनुभव के इस मेल से डिजिटल बैंकिंग आसान और भरोसेमंद बनती है। भविष्य के लिए तैयार क्षमताओं के साथ हमारा लक्ष्य ऐसा सुरक्षित इकोसिस्टम बनाना है, जो बदलते खतरों और ग्राहकों की अपेक्षाओं के साथ विकसित हो।÷ यह लॉन्च एक्सिस बैंक की सेफबैंकिंग पहल को आगे बढ़ाता है, जिसमें 'लॉक स्र्ष्ठ' जैसी इंडस्ट्री-फर्स्ट सुविधाएँ शामिल हैं, जो डिजिटल चैनलों के जरिए फिक्स्ड डिपॉजिट को समय से पहले बंद होने से रोकती हैं, और 'इन-ऐप मोबाइल OTP, जो SMS OTP से जुड़े फ्रॉड को कम करने के लिए ऐप के भीतर समय-आधारित OTP जनरेट करती है।

जैसे-जैसे डिजिटल बैंकिंग का इस्तेमाल बढ़ रहा है, एक्सिस बैंक ग्राहक-केंद्रित नवाचारों के जरिए इस क्षेत्र में अग्रणी बना हुआ है और सुरक्षित, लचीले व भविष्य के लिए तैयार बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित कर रहा है।

संस्कार भारती ने की अखिल भारतीय भरत मुनि सम्मान 2025 की घोषणा

प्रसिद्ध पंडवानी गायिका प्रभा यादव को भरत मुनि सम्मान से सम्मानित किया जाएगा

ठाणे मुंबई महाराष्ट्र में प्रसिद्ध पंडवानी गायिका प्रभा यादव को मिलेगा यह सम्मान

रायपुर लोकशक्ति।

कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती ने अखिल भारतीय ÷भरतमुनि सम्मान 2025÷ लोक कला एवं दृश्यकला के कला विद्वानों को देने की घोषणा की। लोक कला के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की वेदमती शैली की प्रमुख पंडवानी गायिका प्रभा यादव को सम्मानित किया जाएगा एवं दृश्य कला के अंतर्गत पुणे, महाराष्ट्र के चित्रकार चिंतामणि हसबनीस को उनकी कला साधना और अपने कार्यक्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए 01 फरवरी 2026 को ठाणे (महाराष्ट्र) में एक भव्य समारोह में अखिल भारतीय ÷भरतमुनि सम्मान 2025÷ से अलंकृत किया जाएगा।

इन दोनों नामों की घोषणा करते हुए संस्कार भारती के अखिल भारतीय महामंत्री अश्विन दलवी ने कहा कि संस्कार भारती द्वारा दिया जाने वाला यह अखिल भारतीय ÷भरतमुनि सम्मान÷ भारत में पंचम वेद के नाम से विख्यात नाट्य शास्त्र के रचयिता महर्षि भरतमुनि को समर्पित है। ऐसे विशिष्ट कला साधकों को सम्मानित करते हुए हम गौरवान्वित हैं तथा इनकी समाजोन्मुखी कला साधना से अभिभूत भी है। इस पुरस्कार के लिए इन कलाकारों का चयन विशेषज्ञों की एक समिति द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्यांगना व पूर्व राज्यसभा सदस्य विदुषी सोनल मानसिंह (पद्म विभूषण) द्वारा तथा संस्कार भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष वायलिन वादक डॉ. मैसूर मंजूनाथ की उपस्थिति में यह सम्मान 01 फरवरी 2026 को गडकरी रंगायतन, ठाणे, महाराष्ट्र में आयोजित समारोह में दिया जाएगा। इसमें सम्मान स्वरूप एक स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं रुपए 1,51,000 की राशि भेंट कीजाएगी। उल्लेखनीय है कला जगत का यह सम्मान प्रतिवर्ष दो कला विधाओं में दिया जाता है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

कलेक्टर ने ली शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी के प्राचार्यों की बैठक

रणनीति, अभ्यास और मार्गदर्शन से ही आएगा शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम - कलेक्टर

कठिन विषयों में नियमित अभ्यास, कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष फोकस करने के निर्देश

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने मंगलवार को आकांक्षा आवासीय विद्यालय जांजगीर के सभाकक्ष में आगामी बोर्ड परीक्षा की तैयारियों के संबंध में शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक ली। कलेक्टर ने स्कूलवार परीक्षा परिणामों का विश्लेषण कर कम परिणाम के कारणों पर चर्चा की और आगामी बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर रणनीति के साथ शिक्षण कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में अब अधिक समय शेष नहीं है, ऐसे में रणनीति के साथ बच्चों को तैयारी कराई जाए। कठिन विषयों पर निरंतर अभ्यास, कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर विशेष मार्गदर्शन, विषयवार ब्लूप्रिंट की समझ तथा पूर्व वर्षों के प्रश्न पत्रों का अभ्यास अनिवार्य रूप से कराया जाए। कलेक्टर ने परीक्षा परिणाम को शत-प्रतिशत तक लाने के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित करने कहा।

बैठक में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के बेहतर परिणाम ही शिक्षकों के कार्य का वास्तविक मूल्यांकन हैं। प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता के अनुसार व्यक्तिगत मार्गदर्शन देकर उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया जाए। कलेक्टर ने सभी प्राचार्यों, शिक्षकों एवं अधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि जिले के विद्यार्थी राज्य स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करें, यही सामूहिक लक्ष्य होना चाहिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, मेन्यू के अनुसार वितरण तथा बच्चों की नियमित उपस्थिति पर सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि मध्यान्ह भोजन में किसी भी प्रकार की शिकायत सामने नहीं आनी चाहिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने सभी विद्यालयों में अपार आईडी निर्माण कार्य को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्कूली विद्यार्थियों के आधार अपडेशन कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों का आधार अपडेट लंबित है, उनका शीघ्र सत्यापन एवं अद्यतन कराया जाए। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री अशोक सिन्हा, डीएमसी श्री एच. आर. जायसवाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु 09 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित

जांजगीर-चांपा /

जनपद पंचायत पामगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत मुलमुला के शासकीय उचित मूल्य दुकान आई.डी. क्रमांक 542002004, ग्राम रोझनडीह एवं ग्राम पंचायत मेऊ के नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान के संचालन करने हेतु 09 जनवरी 2026 तक आवेदन आमंत्रित किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी पामगढ़ ने बताया कि शासकीय उचित मूल्य की दुकान संचालन के लिए इच्छुक एजेंसी ग्राम पंचायत, वन समिति, महिला स्व0 सहायता समूह, अन्य पात्र संस्था आवश्यक दस्तावेज व प्रस्ताव सहित निर्धारित तिथि तक कार्यालयीन समय में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय पामगढ़ प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आधे-अधूरे आवेदन पत्र को अमान्य किया जाएगा।

प्रत्येक माह के 7 तारीख को मनाया जाएगा आवास दिवस

चावल महोत्सव एवं महात्मा गांधी नरेगा के रोजगार दिवस के साथ होगा आयोजन

जांजगीर-चांपा / प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत प्रदेश में निर्धारित समय-सीमा में आवास निर्माण कार्य पूर्ण कराए जाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक माह की 7 तारीख को ग्राम पंचायत स्तर पर ÷आवास दिवस÷ आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। यह आयोजन चावल महोत्सव एवं महात्मा गांधी नरेगा के रोजगार दिवस के साथ अनिवार्य रूप से किया जाएगा। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में आवास निर्माण से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निराकरण, हितग्राहियों को प्रोत्साहन एवं योजना के प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर निम्न बिंदुओं पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। जिसमें प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं पूर्ण आवासों के हितग्राहियों की सूची का वाचन कर स्वीकृति प्रमाण पत्र का वितरण किया जाएगा। 90 दिवस के भीतर अथवा शीघ्रता से आवास निर्माण पूर्ण करने वाले हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। निर्धारित प्रगति के बाद भी लंबित किश्तों के प्रकरणों में ज्ञल्ब् पूर्ण कराकर 7 दिवस के भीतर राशि हस्तांतरण सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत 90 दिवस की अकुशल मजदूरी राशि के भुगतान की स्थिति पर चर्चा की जाएगी। आवास निर्माण में आ रही स्थानीय समस्याओं एवं बाधाओं का प्रत्येक माह 7 तारीख तक चरणबद्ध (2-2) निराकरण कर हितग्राहियों को अवगत कराया जाएगा।

जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी-कर्मचारी इस कार्य की सतत समीक्षा करेंगे। निर्माण सामग्री, राजमिस्त्री एवं सेंटरिंग प्लेट की उपलब्धता में आ रही समस्याओं के निराकरण हेतु सभी भागीदारों, स्व-सहायता समूह सदस्यों के साथ सामूहिक चर्चा की जाएगी तथा मार्गदर्शिका के अनुसार ÷सामग्री बैंक÷ की स्थापना सुनिश्चित की जाएगी। पीएम जनमन के हितग्राहियों के आवास निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराने हेतु विशेष प्रेरणा एवं चर्चा की जाएगी। पंचायत पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को योजना के प्रावधानों तथा अन्य विभागों के साथ अभिसरण (कन्वर्जेंस) की संभावनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के टोल फ्री नंबर 1800-233-1290 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि हितग्राही अपनी समस्याओं का त्वरित समाधान प्राप्त कर सकें।

प्रदेश स्तरीय सतनामी युवक युवती परिचय सम्मेलन संपन्न

युवक युवती ने कराया पंजीयन

जांजगीर चांपा /

सतनामी उत्थान एवं जागृति समिति व सतनामी समाज जांजगीर चांपा के तत्वाधान में समाज के विवाह योग्य युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 4 जनवरी दिन रविवार समय सुबह 12 बजे से परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी की तैल चित्र पर पूजा आरती कर प्रारंभ किया। समाज के विवाह योग्य युवक युवती अपने परिजन के साथ सम्मेलन स्थल में पहुंचकर पंजीयन के पश्चात अपना परिचय दिया। सम्मेलन में प्रतिभागी के रूप में विवाह योग्य युवक युवती विधवा विदुर व तलाकशुदा प्रतिभागी भी पंजीयन कराया। विवाह योग्य युवक युवती, प्रतिभागी, परिजन एवं समाज की बुद्धिजीवी अधिकारी कर्मचारी जनप्रतिनिधी समाज के लोग भाग लिया। समाज में वर वधु तलासने में हो रही परेशानी समस्या को एक मंच पर लाकर समय व खर्च की बचत करते हुए मनचाहा भावी जीवन साथी चुनने तलाश में मदद होती है । समिति के पदाधिकारी लोग प्रतिभागी वर वधु व उनके परिजन के बीच प्रारंभिक काउंसलिंक चर्चा में सहयोग किया। मौके पर ही अनेक रिश्तो की प्रारंभिक चर्चा भी हुई । कार्यक्रम का 15 वर्ष है। कार्यक्रम में पूर्व सांसद श्रीमती कमला देवी पाटले पूर्व विधायक श्रीमती इंदु बंजारे छत्तीसगढ़ सतनामी उत्थान एवं जागृति समिति के प्रदेश अध्यक्ष जय बहादुर बंजारे प्रदेश संरक्षक सरजू प्रसाद धृतलहरे और क्षेत्रीय विधायक व्यास कश्यप सुनीता पटले जी आदि का परिचय सम्मेलन में आयोजन समिति प्रतिभागी व परिजन समस्त उपस्थित समाज के बुद्धजीवी अधिकारी कर्मचारी व समाज को मार्गदर्शन मिला। सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। प्रदेश सह सचिव रमेश बंजारे प्रदेश उपाध्यक्ष सुश्री अंजलि बरमाल अध्यक्ष सुखराम मधुकर मीडिया प्रभारी डॉ ललित कुर्रे उपाध्यक्ष अनिल अजगले डॉ दिलीप बर्मन डॉ धनेश्वरी जागृति संजीव खरे संरक्षक अधि महारथी बघेल डॉ विजय लहरे राजेश्वर पाटले डॉ जगदीश बंजारे मुकेश रात्रे चंद्रकांत रात्रे गेंद राम कुर्रे डॉ चंद्रशेखर खरे अधि लक्ष्मी लहरे विजय मनहर चंद्रकुमार मिरी दिनेश मिरी अर्जुन सरकार मोहर सिंह अधिवक्ता एस के बघेल संत सोनंत संतोष अनंत योगेश बनर्जी खुलन सोनवानी सुरेश मिर्चन्य अहिल डहरिया संजीव बंजारे जय श्री रात्रे प्रतिमा पाटले किशन बघेल नंदलाल कुर्रे संजय लहरे जितेंद्र पाटले महेश्वर टंडन राधेश्याम पाटले आदि भारी संख्या में समाज के बुद्धिजीवी प्रतिभागी व उनके परिजन उपस्थित रहा। उक्त बातों की जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ ललित कुर्रे ने दी।

साहित्यकार डॉ.गिरधारी लाल अग्रवाल को लोक साहित्य कला सम्मान से किया गया सम्मानित.....

जाँजगीर चांपा – जांजगीर-चांपा द्य पौष पूर्णिमा छेरछेरा पुन्नी के पावन महोत्सव पर अहीर नृत्य कला परिषद देवरहट द्वारा बिलासपुर शहर के वरिष्ठ साहित्यकार, समाजसेवी डॉ. गिरधारी लाल अग्रवाल को लोक साहित्य कला सम्मान से अलंकृत किया गया है। ब्रह्मलीन परमहंस स्वामी शारदानंद सरस्वती जी महाराज की प्रेरणा से अहीर नृत्य कला परिषद देवरहट के संस्थापक अध्यक्ष एवम संयोजक डॉ मंतराम यादव लोक संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विगत 34 वर्षों से प्रयासरत हैं। वे प्रतिवर्ष साहित्य, संस्कृति, सामाजिक और आध्यात्मिक क्षेत्र पर विशेष कार्य कर रहे लोगों को सम्मानित करते आ रहे हैं। इसी क्रम में 3 जनवरी 2026 को ग्राम देवरहट, जिला लोरमी में अहीर नृत्य कला महोत्सव एवं छेरछेरा महापर्व पर अंचल के वरिष्ठ साहित्यकार, लेखक एवं समाजसेवी डॉक्टर गिरधारी लाल अग्रवाल को यादवी जैकेट, साफा, कलगी पहनाकर ÷लोक साहित्य कला सम्मान÷ प्रदान किया और उनके द्वारा सामाजिक, आध्यात्मिक और संस्कृति के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के लिए स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर लोरमी जिला पंचायत अध्यक्ष श्री कांत पांडेय, वरिष्ठ साहित्यकार बुधराम यादव, चन्द्र प्रकाश बाजपेयी, प्रसिद्ध रंगकर्मी निर्मोही जी, दीवान जी अधिवक्ता हर्षवर्धन अग्रवाल सहित क्षेत्र के अनेक कवि, लेखक और साहित्यकार, पत्रकार बंधु उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में में ऋ्रु चक्र विशेषांक ÷रऊताही कला 2026÷ नामक पत्रिका का विमोचन भी किया गया। प्रतिवर्ष प्रकाशित होने वाली यह पत्रिका संस्कृति, सामाजिक और आध्यात्मिक क्षेत्र के लिए दर्पण का काम करती है, जिसके संपादक डा मंतराम यादव हैं।

सट्टा खेलाने के आरोपी को पामगढ़ पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर चांपा / सट्टा खेलाने के आरोपी को पामगढ़ पुलिस ने पकड़ा है । ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में जिले में जुआ सट्टा पर अंकुश लगाने पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप के मार्गदर्शन में थाना पामगढ़ पुलिस द्वारा सट्टा खेलाने वाले के विरुद्ध रेड कार्यवाही कर आरोपी छोटेलाल सूर्यवंशी को घेराबंदी कर पकड़ा जिसको गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक सावन सारथी थाना प्रभारी पामगढ़, प्र.आर.राजेश कोशले, आर.भुवनेश्वर पटेल, राघवेंद्र घृतलहरे, श्याम ओग्रे का सराहनीय योगदान रहा।

मारपीट, तोड़फोड़ एवं जान से मारने की धमकी के आरोपी दो माह बाद पकड़ाया

जांजगीर चांपा /

जांजगीर चांपा / थाना अकलतरा कोटमीसोनार अंतर्गत ग्राम पोडीदल्हा में घटित महिला के साथ मारपीट, तोड़फोड़ एवं जान से मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी दो माह बाद पकड़ाया है । इस घटना में दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को दोपहर लगभग 2 बजे आरोपी अजीत कुमार टण्डन द्वारा शराब पीने के लिए पैसों की मांग को लेकर अपनी ही बहन के साथ गाली-गलौज, मारपीट तथा घर में रखे टी.वी., बिजली बोर्ड एवं टेबल फैन में तोड़फोड़ की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देश पर कार्यवाही करते हुए एएसआई राजेंद्र सिंह क्षत्रिय पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी कोटमीसोनार के नेतृत्व में आरोपी को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में एएसआई राजेंद्र सिंह क्षत्रिय, प्रधान आरक्षक अनिल हंसराज आरक्षक विजय कुमार राठौर का योगदान रहा।

जांजगीर-चांपा में आयोजित उद्योग आउटरीच बैठक एवं प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना जागरूकता शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न

संवाददाता।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO), क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 7 नवम्बर, 2025 को जांजगीर-चांपा जिले के उद्योग संघों एवं नियोक्ताओं की उपस्थिति में एक विशेष उद्योग आउटरीच बैठक एवं प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (PMVBRY) जागरूकता शिविर का आयोजन मेसर्स प्रकाश इंडस्ट्रीज, चांपा (Sunrise हॉल) में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जयवदन इंगले, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-द्वद्व, रायपुर द्वारा की गई। सत्र में उपस्थित नियोक्ताओं एवं उद्योग प्रतिनिधियों को PMVBRY योजना के लाभों तथा ईपीएफओ की डिजिटल सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (PMVBRY) के तहत नए रोजगार सृजन को प्रोत्साहन तथा नियोक्ताओं और कर्मचारियों – दोनों को प्रोत्साहन लाभ प्रदान होंगे/साथ ही, EmployeesÓ Enrolment Campaign (EEC) के अंतर्गत पूर्व में अपंजीकृत कर्मचारियों को पंजीकृत कर सामाजिक सुरक्षा लाभों के दायरे में लाने की पहल की जा रही है, जिसकी जानकारी प्रतिभागियों को दी गई। इस अवसर पर कोसा सिल्क, इस्पात, निर्माण एवं अन्य औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े उद्योग प्रतिनिधियों एवं नियोक्ताओं की उल्लेखनीय संख्या में सहभागिता रही। बैठक के पश्चात कोसा सिल्क उत्पादन इकाई का भ्रमण कर श्रमिकों को भविष्य निधि से संबंधित जानकारी दी गई तथा उत्पादन प्रक्रिया की कार्यप्रणाली को जाना गया। यह आयोजन उद्योग जगत और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के मध्य संपर्क एवं विश्वास को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

विधायक ब्यास कश्यप की अनुशंसा से 47 लाख रू. के विकास कार्य स्वीकृत

विधायक ब्यास के प्रयास से बनेगी पक्की सड़क

जांजगीर चांपा /

जांजगीर चांपा / विधायक ब्यास कश्यप के प्रयास से तेंदूभाठा, सरखों से पाली राखड़ डेम तक पक्की सड़क का निर्माण होगा । इस संबंध मे विधायक ने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र के सी.एस.आर. मद से उक्त सड़क निर्माण के लिए सीएसईबी के चेयरमेन रोहित यादव से भेंट कर ज्ञापन सौंपा गया था। अधिकारी के द्वारा तुरंत संज्ञान लेते हुए इसकी स्वीकृति की सहमति दी गई थी। ग्राम तेंदूभाठा से सरखों होते हुए पाली राखड़ डेम तक 05 किमी. लंबी एवं 3.75 कि.मी. चैड़ी इस सड़क के निर्माण के लिए 2 करोड़ 73 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा होगी। आपको बता दें कि यह लंबे समय से स्थानीय ग्रामीणों की मांग रही है। खराब और जर्जर मार्ग होने के कारण आएदिन दुर्घटना की आशंका रहती थी जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब विधायक ब्यास कश्यप के प्रयास से मार्ग सुगम होगा और स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिलेगा। आवागमन के साथ ही साथ इससे ग्रामीण विकास को भी गति मिलेगा। । बहुप्रतिक्षित सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने से क्षेत्रवासियों में हर्ष है तथा उन्होंने लोकप्रिय विधायक ब्यास कश्यप के प्रति आभार प्रकट किया है।

सत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए विधायक ब्यास कश्यप की अनुशंसा पर मुक्तिधाम सह शेड निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्वीकृति से स्थानीय नागरिकों में हर्ष का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संबंधित ग्राम के मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार एवं अन्य धार्मिक कार्यो के दौरान लोगों को होने वाली असुविधाओं को देखते हुए विधायक ब्यास कश्यप ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा के समक्ष मुक्तिधाम सह शेड निर्माण का प्रस्ताव रखा था। विधायक की सक्रिय पहल और अनुशंसा के बाद विभाग द्वारा निर्माण कार्य को हरी झंडी दे दी गई। विधायक ब्यास कश्यप ने बताया कि जांजगीर-चांपा विधानसभा के ग्राम पेण्ड्री (जांजगीर), धुरकोट, गौद, मरकाडीह एवं अकलतरी में 9.40 लाख रूपये की लागत से मुक्तिधाम सह शेड निर्माण के लिए कुल 47 लाख रूपये राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है। मुक्तिधाम में शेड का निर्माण होने से वर्षा और तेज धूप के समय लोगों को राहत मिलेगी तथा अंतिम संस्कार के दौरान आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। गांव के सरपंच तथा नागरिकों ने इस स्वीकृति के लिए विधायक ब्यास कश्यप का आभार व्यक्त किया है।

विधायक भोला राम साहू ने कहाड़कसा में तीन दिवसीय जोन स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

राजनांदगांव।

अंबागढ़ चौकी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरगांव के आश्रित ग्राम कहाड़कसा में सोमवार से तीन दिवसीय जोन स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य एवं उत्साहपूर्ण शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में संकुल क्षेत्र के 22 स्कूलों के छात्र-छात्रा खिलाड़ी विभिन्न खेल विधाओं में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रतियोगिता का शुभारंभ खुज्जी विधायक श्री भोलाराम साहू द्वारा खेल ध्वज फहराकर एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से खेल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत डोंगरगांव के सरपंच श्री भगवान सिंह मंडावी ने की। वहीं विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य शेषवरी धुर्वे, पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष रितेश मेश्राम, उदेराम साहू, दयाशंकर गुप्ता, हुमन नागेश्वर, धर्मेंद्र कोरे, गोपाल सिंह पाल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सचिव रामदेव सिन्हा एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी एस. के. धीवर की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रतियोगिता के दौरान कबड्डी, खो-खो, एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें खिलाड़ियों का उत्साह देखने योग्य है। आयोजकों एवं शिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

राजधानी में हिट एंड रन का मामला, विधायक रेणुका सिंह का बेटा पुलिस हिरासत में

तेज रफ़्तार कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर

रायपुर,छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आए दिन रफ़्तार का कहर देखने को मिलता है। यहां आए दिन भीषण सड़क हादसे और हिट एंड रन के मामले सामने आते हैं। इसी कड़ी में राजधानी रायपुर से एक और हिट एंड रन का मामला सामने आया है। यहां कुछ लोगों ने तेज रफ़्तार कार चलाते हुए एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। मामले में पुलिस ने भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह के बेटे को हिरासत में लिया है।

भाजपा विधायक का बेटा हिरासत में – मिली जानकारी के अनुसार, हिट एंड रन का ये मामला राजधानी रायपुर के अग्रसेन धाम के पास से सामने आया है। यहां एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इस हादसे के बाद कार में सवार युवक-युवतियां मौके से फरार हो गए। वहीं हिट एंड रन की सूचना मिलते ही तेलीबांधा पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान पुलिस ने भरतपुर-सोनहत से भाजपा विधायक रेणुका सिंह के बेटे को हिरासत में लिया है। पुलिस की टीम विधायक रेणुका सिंह के बेटे से पूछताछ कर रही है। वहीं पुलिस की टीम घटनास्थल से फरार हुए अन्य युवक-युवतियों की तालश में जुटी हुई है।

रायपुर सेंट्रल जेल में कैदी की मौत

रायपुर, रायपुर के सेंट्रल जेल में पॉक्सो एक्ट के तहत बंद एक विचाराधीन कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। कैदी की मौत के बाद परिजनों ने जेल प्रशासन पर प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार रात सेंट्रल जेल रायपुर में पॉक्सो एक्ट के प्रकरण में सजा काट रहे कैदी सुनील महानंद की मौत बैरक नंबर-5 में हो गई। पुलिस ने देर रात परिजनों को इसकी जानकारी दी। घटना के बाद मृतक के परिजन और समाज के लोग जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए जेल परिसर के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। परिजनों का आरोप है कि सुनील को जेल में लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना दी जा रही थी, जिससे वह बेहद परेशान था। उनका कहना है कि मौत की सूचना भी उन्हें देर रात दी गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि बिना पूर्व सूचना के शव को मर्चुरी भेज दिया गया, जिससे पूरे मामले पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सोमवार को छत्तीसगढ़ उत्कल गाड़ा समाज के लोग भी परिजनों के साथ धरना प्रदर्शन में शामिल हुए। समाज के पदाधिकारियों और परिजनों का दावा है कि सुनील महानंद को फर्जी मामले में फंसाया गया था। साथ ही जेल में बुनियादी सुविधाओं की कमी का भी आरोप लगाया गया है। मृतक की पत्नी ने बताया कि दो दिन पहले हुई मुलाकात के दौरान सुनील ने जेल में प्रताड़ना की बात कही थी और वह काफी परेशान नजर आ रहा था।

आलीखुटा में विकास कार्यों को मिली रफ्तार, सैकड़ों मजदूरों को मिल रहा रोजगार

राजनांदगांव। जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत रानीतरई के आश्रित ग्राम आलीखुटा में ग्रामीण विकास को गति देने के उद्देश्य से विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। गांव में नर्सरी एवं गार्डन निर्माण, डबरी निर्माण, भूमि सुधार कार्य तथा कच्ची सड़क मार्ग निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य संचालित किए जा रहे हैं।

इन विकास कार्यों के तहत नर्सरी एवं गार्डन निर्माण से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीणों को पौधरोपण की सुविधा प्राप्त होगी। डबरी निर्माण से वर्षा जल संग्रहण को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे सिंचाई, पशुपालन एवं जल संकट से निपटने में सहायता मिलेगी। भूमि सुधार कार्य के माध्यम से अनुपयोगी भूमि को उपजाऊ बनाया जा रहा है, जिससे किसानों की कृषि आय बढ़ने की संभावना है। वहीं कच्ची सड़क मार्ग निर्माण से गांव के भीतर तथा आसपास के क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा, जिससे ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच में सुविधा मिलेगी। इन सभी कार्यों में प्रतिदिन सैकड़ों मजदूरों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष मजदूरों की सहभागिता भी देखी जा रही है। कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत एवं संबंधित विभागों द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। ग्रामीणों ने इन विकास कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इससे ग्राम आलीखुटा का समग्र विकास होगा और आने वाले समय में गांव की तस्वीर बदलेगी।

स्व. मुरलीधर दास वैष्णव को दी गई श्रद्धांजलि

राजनांदगांव। ग्राम भण्डारपुर निवासी स्वर्गीय श्री मुरलीधर दास वैष्णव का आकस्मिक निधन 24 दिसम्बर 2025 को हो गया था। उनके देवलोक गमन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। दिवंगत आत्मा की शांति हेतु 5 जनवरी 2026 को तेरहवीं एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन उनके निज निवास ग्राम भण्डारपुर, तहसील छुरिया, जिला राजनांदगांव में किया गया।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में सामाजिक, पारिवारिक एवं ग्रामीणजन उपस्थित होकर पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्मा को नमन किया। इस अवसर पर नीलू शर्मा, किरण वैष्णव, गीता घासी साहू, किरण साहू, जागृति यदु, रविन्द्र वैष्णव, गोपाल भूआर्य, अनीता मंडावी, किरण विनोद बारले, मदन लाल साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोकसंतप्त परिवार को संबल प्रदान किया।

प्रदेश में सर्दी का सितम, तापमान में आएगी गिरावट, तीन दिनों तक चलेगी शीतलहर

मौसम विभाग ने न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की कमी आने की संभावना

रायपुर,राजधानी रायपुर समेत छत्तीसगढ़ के कई अन्य इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में कोहरा छाया हुआ है और इसी के कारन तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया है। अंबिकापुर को छोड़कर प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में तापमान में कमी दर्ज की गई है। वहीं मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में राज्य के अलग-अलग शहरों में न्यूनतम तापमान में एक से तीन डिग्री सेल्सियस तक की कमी आने की संभावना जताई है।

प्रदेश की राजधानी रायपुर में रविवार को सुबह से ही कोहरा छाया रहा। कई इलाकों में सुबह 11 बजे तक दृश्यनीयता प्रभावित रही। रविवार को राज्य के सबसे ठंडे इलाके में अंबिकापुर को पीछे छोड़कर पेंड्रा आगे निकल गया। पेंड्रा और अमरकंटक का न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं अंबिकापुर जिले में रविवार को न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। रायपुर का अधिकतम तापमान 27.2 और न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बिलासपुर, दुर्ग और जगदलपुर के न्यूनतम तापमान में एक से 2.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़त देखी गई।

पेंड्रा में जनजीवन अस्त-व्यस्त

पेंड्रा इलाके में कड़ाके की ठंड ने जनजीवन को ठिठुरा दिया है। पेंड्रा और अमरकंटक का न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। यहां ठंड का प्रकोप बढ़ गया है जहां कई जगहों पर ओस की बूंदें जम गईं, अमरकंटक में खेतों और छतों पर सफेद चादर नजर आ रही है। शीतलहर से बाजार सन्नाटे में हैं, लोग अलाव जलाकर और ऊनी कपड़ों से खुद को बचाने को मजबूर नजर आ रहे है।

पत्थलगांव में पड़ रही कड़ाके की ठंड

पत्थलगांव में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पत्थलगांव में घने कोहरे के चलते विजिबिलिटी कम होते जा रही है। घना कोहरा छाए होने के कारण लोगों को वाहन चलाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, पत्थलगांव क्षेत्र का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री दर्ज किया गया है। तापमान में लगातार कमी आने के चलते लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में शीर्ष अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक

राष्ट्रपति के संभावित दौरा कार्यक्रम सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा

रायपुर, संवाददाता।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में उन्होंने राष्ट्रपति द्रुपदी मुर्मू के बस्तर आगमन को देखते हुए सभी संभावित तैयारियों सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव सा बस्तर पंडुम में आने के लिए राष्ट्रपति को विधिवत् आमंत्रित किया है, लेकिन अभी तक राष्ट्रपति का कोई अधिकृत दौरा कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है। समझा जाता है कि राष्ट्रपति सचिवालय को विभिन्न तैयारियों की पहले जानकारी दी जाएगी। उसके पश्चात ही कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाएगा। राज्य में जगदलपुर के मुख्य स्थान पर बस्तर पंडुम का आयोजन 10 जनवरी से लेकर 20 जनवरी के बीच किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में देश के प्रख्यात भाजपा शीर्ष नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। बस्तर पंडुम में आदिवासी कला संस्कृति के बारे में बताया जाएगा। इस कार्यक्रम में राज्य के सभी कैबिनेट मंत्री सहित अन्य नेता शामिल होंगे। मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित इस बैठक में मुख्य सचिव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं सचिव प्रमुख सचिव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। भारतीय जनता पार्टी जब सत्ता में आई है तब से आदिवासी कला संस्कृति को बढ़ावा दे रही है।

ट्राइबल खेला इंडिया सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें अमित शाह सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। बस्तर पंडुम संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित की किया जा रहा है।

महतारी वंदन योजना सरकार की अभिनव पहल से नारियों का हो रहा उत्थान : श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

छत्तीसगढ़ में बच्चों के कुपोषण के विरूद्ध संघर्ष जारी : महिला एवं बाल विकास मंत्री

रायपुर, प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बच्चों के कुपोषण के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा। महिला एवं बाल विकास के प्रयासों से कुपोषण में काफी कमी आई है। सरकार द्वारा महतारी वंदन योजना के तहत 68 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। शेष महिलाओं केवाईसी किया जा रहा है। इस पर कुल 14307 करोड़ रूपए का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ रहा है।

आज आयोजित पत्रकारवार्ता में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया कि महिला सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना प्रदेश में लागू की गई है, जो प्रदेश में एक ऐतिहासिक पहल है। इससे 68 लाख महिलाएं लाभान्वित हो रही है। इस योजना का सर्वे भी कराया गया है, जिससे पता चला है कि महिला हितग्राही स्वास्थ्य तथा दवाई पर तथा व्यवसाय एवं अन्य कार्यों के लिए स्वतंत्र एवं निर्णायक निर्णय ले रही है जिससे उनके जीवन में आर्थिक सुधार हो रही है। आदिवासी महिलाओं ने भी इसका फायदा उठाया है। **महिला बाल विकास के चार स्तम्भ** प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग के चार प्रमुख स्तम्भ है। इन बिन्दुओं पर महिलाओं के आर्थिक विकास पर ध्यान दिया जा रहा है। पहला महिला सशक्तिकरण जिसके तहत महतारी वंदन योजना संचालित की जा रही है। दूसरा स्वास्थ्य जिसमें प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के तहत महिलाओं की स्वास्थ्य की देखभाल की जा रही है। तीसरा पोषण आहार जिसमें बच्चों को मल्टी विटामिन पोषण आहार दिया जा रहा है, जिसके चलते बच्चों में कुपोषण में कमी आयी है। उन्होने बताया कि महिलाओं की सुदृढ़ आर्थिक व्यवस्था के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। आंगनबाड़ी में महिलाओं की भर्ती की जा रही है। बच्चों के पोषण आहार में रेसिपी में बदलाव किया गया है, इसमें मीठा, नमकीन और दलिया दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री मातृत्व योजना से कई महिलाएं लाभान्वित हुई है। स्वच्छ एवं पुरक पोषण आहार से बच्चों में दुर्बलता एवं पौनापन में कमी आई है। आज की प्रेस कॉन्फेंस में महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थी। विष्णु देव सरकार के दो वर्ष के उपलक्ष्य में मंत्रियों द्वारा अपने-अपने विभाग का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जा रहा है। जनसंपर्क विभाग के ऑडिटोरियम में प्रेस कॉन्फेंस किया जा रहा है।

डीएसआईआर कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ के धमतरी में ग्रामीण महिलाओं के लिए स्किल सैटेलाइट सेंटर होगा स्थापित

रायपुर, डीएसआईआर फाउंडेशन डे के अवसर पर विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग द्वारा नवाचार और उद्योग पारितंत्र को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न साझेदार संस्थाओं के साथ अनेक महत्वपूर्ण समझौते और एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इन्हीं में से छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रमुख उपलब्धि धमतरी में स्किल सैटेलाइट सेंटर की स्थापना से जुड़ा समझौता है, जो डीएसआईआर की टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट एंड यूटिलाइजेशन प्रोग्राम फॉर वुमेन के अंतर्गत स्थापित किया जाएगा। धमतरी में प्रस्तावित स्किल सैटेलाइट सेंटर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं आदिवासी महिलाओं को प्रौद्योगिकी-आधारित कौशल विकास, उद्यमिता प्रशिक्षण और आजीविका के स्थायी अवसरों से जोड़ना है। यहाँ महिलाओं को उपयुक्त तकनीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण, बाजार से जोड़ने के अवसर तथा उद्यम स्थापित करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। प्राथमिक क्षेत्रों में फूड प्रोसेसिंग, वन-आधारित उत्पाद, वस्त्र एवं हस्तशिल्प, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण तथा डिजिटल सेवाएँ शामिल होंगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी और कौशल विकास छत्तीसगढ़ में महिलाओं के नेतृत्व में विकास के दो सशक्त आधार हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण तथा प्रदेश सरकार की उस प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसके तहत ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाते हुए महिलाओं को लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की अग्रणी शक्ति बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में महिला स्व-सहायता समूह, लक्षपति दीदी योजना, वन धन विकास केंद्र तथा रा'य आजीविका मिशन जैसे प्लेटफॉर्मों को इस स्किल सैटेलाइट सेंटर के साथ एकीकृत किया जाएगा। इससे प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को तुरंत उद्यम स्थापित करने, ऋण सुविधा प्राप्त करने और विपणन सहयोग मिलने के अवसर उपलब्ध होंगे, जिससे पूरे क्षेत्र में व्यापक आर्थिक प्रभाव दिखाई देगा। धमतरी में स्किल सैटेलाइट सेंटर की स्थापना से रा'य में कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, स्टार्टअप संवर्द्धन और जमीनी नवाचार को नया आयाम मिलेगा।

बाल अधिकारों को मिलेगी नई मजबूती: राज्य बाल संरक्षण नीति-2025 के ड्राफ्ट पर मंथन

नए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को अंतिम रूप देने ओपी चौधरी लेंगे विभागवार बैठक

0-मंत्रियों से करेंगे रायशुमारी

रायपुर, प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी कल से वर्ष 2026-27 के वार्षिक बजट के लिए मंत्रियों एवं सचिवों से चर्चा करेंगे।

मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में नया बजट शीघ्र पेश किया जाएगा। यह बजट आगामी विधानसभा के बजट सत्र में वित्त मंत्री पेश करेंगे। इस बजट में मोदी की गारंटी भाजपा की घोषणा पत्र तथा अन्य मुद्दों पर आधारित होगी। प्रदेश का नया बजट करीब सवा लाख करोड़ के आसपास होगा। जिसमें अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, आदिम जाती तथा नक्सल उन्मूलन को प्राथमिकता दी जाएगी। सिंचाई विभाग के बजट को महत्व दिया जा रहा है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाया जाएगा, जिसके चलते यहां पर स्टॉफ डेम तथा अन्य योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इस बैठक में विभागीय कैबिनेट मंत्री विभागीय मंत्री उपस्थित रहेंगे। इसके पहले सभी विभागों से आवश्यक प्रस्ताव मंगाए गए हैं। विभागीय सचिव द्वारा बैठक लेने के बाद वित्त मंत्री इसे अंतिम रूप देंगे। प्रदेश में जीएसटी लागू होने के बाद केन्द्रीय राज्यांश योजना पर ही अधिक ध्यान दिया जारहा है। जबकि राज्य की आय सिमित हो गई है।

मुख्यमंत्री निवास में 8 को होगा जनदर्शन

रायपुर, मुख्यमंत्री निवास कार्यालय रायपुर में 08 जनवरी गुरुवार को जनदर्शन का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इस अवसर पर प्रदेशवासियों से सीधे संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं का निराकरण करेंगे। मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का त्वरित और संवेदनशील निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को समयबद्ध समाधान मिल सके।

राजनांदगांव में हिंदू जागरण मंच ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गुरु गोविंद सिंह जयंती

राजनांदगांव, हिंदू जागरण मंच, राजनांदगांव द्वारा सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर गुरुद्वारा जाकर विविध धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों मे शामिल हुए उसके पश्चात बालाजी मंदिर प्रांगण में कार्यक्रम की शुरुआत गुरु गोविंद सिंह जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। वक्ताओं ने अपने संबोधन में गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन, त्याग, बलिदान और उनके द्वारा स्थापित खालसा पंथ के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी ने समाज को साहस, समानता, धर्म रक्षा और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का मार्ग दिखाया।

हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह का जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने समाज में एकता, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मंच के कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नगरवासी उपस्थित रहे। अंत में सभी के लिए प्रसाद वितरण किया गया तथा गुरु गोविंद सिंह जी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता सुशील लड्ढा प्रवीण शर्मा दिनेश झूलन सविता बोस रोहित तिवारी जुगल गुप्ता हेमलाल ढीमर नीलू साहू मनोज गोलछा मौसमी शर्मा एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दुर्ग नगर यादव महासभा का यादव मिलन समारोह एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन 11 को

दुर्ग , नगर यादव महासभा द्वारा 11 जनवरी-2026 दिन रविवार को दोपहर 01 बजे से यादव छात्रावास पचरीपारा वार्ड नंबर-28 दुर्ग में यादव मिलन समारोह एवं युवक युवती सम्मेलन एवं गीता जयंती का कार्यक्रम रखा गया है।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि गजेन्द्र यादव (केबिनेट मंत्री छ0ग0शासन),अध्यक्षता विजय बघेल (सांसद-दुर्ग लोकसभा) एव विशेष

अतिथि ललित चंद्राकर विधायक दुर्ग ग्रामीण, अल्का बाधमार (महापौर-दुर्ग) दीपक ताराचंद साहू, शिवराज राउत, राजेश ताम्रकार , अजय यादव (प्रदेश अध्यक्ष छ0ग0 कोसरिया यादव समाज) एवं ममता ओमप्रकाश जी पार्षद, बबीता यादव पार्षद उपस्थित रहेंगे।

समापन समारोह संध्या 4.00 बजे होगा जिसके मुख्य देवेन्द्र यादव (विधायक भिलाई नगर), अध्यक्षता बोधन यादव जी अध्यक्ष जिला कोसरिया समाज, विशेष अतिथि अरूण बोरा पूर्व विधायक दुर्ग, राजेंद्र साहू, धीरज बाकलीवाल, मेधनाथ यादव (प्रांताध्यक्ष छ0ग0सर्व समाज संगठन),मन्ना यादव,दलौरिन बाई यादव उपस्थित रहेंगे।

बाल अधिकारों को मिलेगी नई मजबूती: राज्य बाल संरक्षण नीति-2025 के ड्राफ्ट पर मंथन

बाल अधिकारों को मिलेगी नई मजबूती: राज्य बाल संरक्षण नीति-2025 के ड्राफ्ट पर मंथन

रायपुर, संवाददाता

छत्तीसगढ़ में बच्चों के संरक्षण, अधिकारों की सुरक्षा और उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण नीति-2025 के ड्राफ्ट प्रारूप को अंतिम रूप देने हेतु राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा यूनिसेफ (UNICEF) के सहयोग से आयोजित यह कार्यशाला एक सुदृढ़, समन्वित एवं अधिकार-आधारित बाल संरक्षण तंत्र विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रही।

कार्यशाला में नीति के मसौदे पर विशेषज्ञों, हितधारकों एवं विभागीय अधिकारियों से अंतिम सुझाव प्राप्त किए गए। इस दौरान बाल विवाह एवं बाल श्रम की रोकथाम, अनाथ व बेसहारा बच्चों का पुनर्वास, बाल तस्करी, हिंसा, उपेक्षा, कुपोषण तथा साइबर अपराधों से बच्चों की सुरक्षा जैसे विषयों पर गहन विमर्श हुआ। महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने नीति के ड्राफ्ट एवं कार्ययोजना की प्रस्तुति देते हुए बताया कि यह नीति किशोर न्याय अधिनियम, 2015, हृष्टऋष्ट एवं अन्य राष्ट्रीय विधिक प्रावधानों के अनुरूप, राज्य की सामाजिक व भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए तैयार की जा रही है।कार्यशाला में छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने बाल अधिकारों की निगरानी, शिकायत निवारण तंत्र को सशक्त करने तथा संस्थागत एवं गैर-संस्थागत देखभाल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर बल दिया।

इस अवसर पर संयुक्त सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती फरिहा आलम,संचालक समाज कल्याण श्रीमती रोक्तिमा यादव, संचालक ट्रेज़री और एकाउंट श्रीमती पद्मिनी भोई साहू,संचालक महिला एवं बाल विकास डॉ . रेणुका श्रीवास्तव, यूनिसेफ की प्रतिनिधि सुश्री चेतना देसाई, कर्नाटक राज्य के प्रतिनिधि, संयुक्त संचालक श्री नन्दलाल चौधरी, उप संचालक श्रीमती नीलम देवांगन सहित स्वास्थ्य, गृह (पुलिस), श्रम, पंचायत एवं नगरीय प्रशासन विभागों के अधिकारी, SCPS/DCPS, स्वयंसेवी संस्थाएं एवं कानूनी विशेषज्ञ उपस्थित रहे। तकनीकी सत्र में सुश्री अर्लेन मनोहरन, श्री सोनीकुट्टी जॉर्ज, श्री एम.आर. गोविंद बेनीवाल, सुश्री निमिषा श्रीवास्तव, सुश्री नूपुर पांडे, श्री चिरंजीवी जैन, श्री प्रमोद गुप्ता एवं श्री प्रभात कुमार ने नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, बहु-विभागीय समन्वय और निगरानी व्यवस्था पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। ड्राफ्ट नीति की समीक्षा हेतु प्रतिभागियों को विभिन्न समूहों में विभाजित कर गहन चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त सुझावों को सम्मिलित कर छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण नीति-2025 को अंतिम रूप दिया जाएगा, जिससे यह राज्य के प्रत्येक बच्चे के लिए सुरक्षा और अधिकारों का मजबूत कवच बन सके।

रायपुर में बच्चा चोरी के शक में महिला की पिटाई, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर,

राजधानी रायपुर के खम्हारडीह थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पार्वती नगर इलाके में बच्चा चोरी के संदेह में स्थानीय लोगों ने एक महिला को पकड़कर उसके साथ मारपीट कर दी। यह घटना सोमवार तड़के करीब 4:30 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला पर आरोप है कि वह मोहल्ले से एक बच्चे को उठाकर ले जाने की कोशिश कर रही थी। इसी दौरान लोगों को उस पर शक हुआ और उन्होंने महिला को घेर लिया। बच्चा चोरी की आशंका के चलते गुस्साए लोगों ने महिला की जमकर पिटाई कर दी, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही खम्हारडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घायल महिला को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने महिला को सुरक्षित अपने कब्जे में ले लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। यह स्पष्ट करने की कोशिश की जा रही है कि वास्तव में बच्चा चोरी की कोई कोशिश हुई थी या फिर यह महज अफवाह के कारण हुई हिंसा है। इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

खरीफ2025-26 के लिए बड़ी राहत:

छत्तीसगढ़ में तुअर, उड़द, मूंग, सोयाबीन और मूंगफली की एमएसपी पर खरीद को मंजूरी

किसानों के हित में केंद्र सरकार का बड़ा निर्णय:दलहन एवं तिलहन उत्पादन को मिलेगा प्रोत्साहन

किसानों के हितों की सुरक्षा हमारी शीर्ष प्राथमिकता - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर,भारत सरकार के ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान छत्तीसगढ़ में दाल एवं तिलहनी फसलों की खरीद के लिए मूल्य समर्थन योजना लागू करने के राज्य सरकार के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

केंद्रीय मंत्री द्वारा भेजे गए पत्र के अनुसार छत्तीसगढ़ में निम्नानुसार फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 21 हजार 330 मीट्रिक टन तुअर, 25 हजार 530 मीट्रिक टन उड़द, 240 मीट्रिक टन मूंग, 4 हजार 210 मीट्रिक टन सोयाबीन और 4 हजार 210 मीट्रिक टन मूंगफली खरीद की मंजूरी दी गई है। इन फसलों की खरीद मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी, जिससे किसानों को अपनी उपज का उचित दाम प्राप्त होगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने पत्र में आशा व्यक्त की है कि इस निर्णय से तुअर, उड़द, मूंग, सोयाबीन और मूंगफली उत्पादक किसानों को बड़ी राहत मिलेगी तथा उन्हें औने-पौने दाम पर फसल बेचने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्र सरकार के इस निर्णय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हितों की सुरक्षा हमारी शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एमएसपी पर खरीद की सभी तैयारियाँ समयबद्ध तरीके से पूर्ण कर किसानों को अधिकतम लाभ सुनिश्चित करेगी।

इस निर्णय से राज्य के किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी, दलहन एवं तिलहन उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी।

कोरिया जन सहयोग समिति की बैठक संपन्न: सोनहत ब्लॉक की मूलभूत समस्याओं पर छिड़ी चर्चा, प्रशासन को सौंपेंगे ज्ञापन

वरिष्ठ कानूनी सलाहकार एवं मीडिया प्रतिनिधियों की भी रही उपस्थिति

कोरिया,)। कोरिया जन सहयोग समिति की महत्वपूर्ण बैठक पुष्पेंद्र राजवाड़े की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ कानूनी सलाहकार रजा अली अंसारी एवं अधिवक्ता जयचंद सोनपाकर की उपस्थिति में सोनहत के अमहर जलाशय के समीप आयोजित की गई, जिसमें जिले के सोनहत ब्लॉक की ज्वलंत और मूलभूत समस्याओं पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। समिति ने निर्णय लिया है कि क्षेत्र की जनता को आ रही परेशानियों के समाधान हेतु जल्द ही एक विस्तृत मांग पत्र (ज्ञापन) जिला प्रशासन और संबंधित विभाग को सौंपा जाएगा। **बैठक के मुख्य मुद्दे:** पेयजल की समस्या: वनांचल और दूरस्थ ग्रामों में जल संकट पर चिंता जताई गई। कई हैंडपंपों के खराब होने और जल जीवन मिशन के कार्यो की अति धीमी गति पाइपलाइन विस्तार की धीमी गति का मुद्दा प्रमुखता से उठा।

स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव: सोनहत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ बडॉक्टरों की कमी और लंबे समय से बन्द सोनोग्राफी मशीन का मुद्दा अहम रहा

सड़क और कनेक्टिविटी: सुदूर क्षेत्रों को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली जर्जर सड़कों की मरम्मत रामगढ़ कोटाडोल सड़क भलुवार रजपुरी मार्ग, बदरा बंशीपुर मार्ग के अलावा छोटे मार्गो में सोनहत तहसील मार्ग जनपद से नर्सरी मार्ग मरम्मत, और लंबित निर्माण सीसी सड़क भवन, मिनी स्टेडियम सहित अन्य कार्यों को जल्द पूरा कराने पर जोर दिया गया।

वनाचलो में अधूरा विद्युतीकरण का मुद्दा सोनहत के ग्राम कचोहर बंशीपुर चंदाहा नावटोला निग्नोहर तंजरा में जल्द विद्युतीकरण कार्य पूर्ण कर लोगो को बिजली सुविधा की उपलब्धता की मांग को लेकर चर्चा किया

मोबाइल कनेक्टिविटी रामगढ़ क्षेत्र के 7 ग्राम पंचायतों में मोबाइल नेटवर्क सुविधा चालू करने, बन्द मोबाइल टावरों को चालू करने की मांग पर विस्तृत चर्चा हुई

राजनीति से ऊपर उठ कर अपने क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण ही संकल्प-पुष्पेंद्र

बैठक को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े ने कहा कि सोनहत ब्लॉक प्राकृतिक रूप से समृद्ध है, लेकिन विकास की दृष्टि से आज भी कई बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। समिति का उद्देश्य राजनीति से ऊपर उठकर जनहित से जुड़ी समस्याओं और मांग के मुद्दों को शासन-प्रशासन तक मजबूती से पहुँचाना है ताकि उनका मजबूती से निराकरण हो।सके

कांगेर घाटी में मिली अनोखी ग्रीन गुफा

जल्द खुलेंगे पर्यटन के नए द्वार

रायपुर, छत्तीसगढ़ की कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जैव विविधता और विश्व-प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के लिए देश-विदेश में विख्यात है। इसी कड़ी में अब कांगेर घाटी में एक और अनोखी प्राकृतिक स्थलाकृति सामने आई है, जिसे ग्रीन केव (ग्रीन गुफा) नाम दिया गया है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्र केदार कश्यप के निर्देशानुसार राज्य सरकार द्वारा पर्यटन और वन्य धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। वन मंत्री श्री कश्यप ने स्पष्ट किया है कि ग्रीन गुफा के पर्यटन मानचित्र में शामिल होने से कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटन को नया आयाम मिलेगा, जिससे स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्रीय विकास को गति प्राप्त होगी और शीघ्र ही पर्यटक इस अद्भुत गुफा की

प्राकृतिक खूबसूरती का प्रत्यक्ष अनुभव कर सकेंगे। वन विभाग द्वारा आवश्यक तैयारियां पूर्ण किए जाने के बाद शीघ्र ही इस गुफा को पर्यटकों के लिए खोले जाने की योजना है।उल्लेखनीय है कि यह ग्रीन गुफा कोटुमसर परिसर के कंपार्टमेंट क्रमांक 85 में स्थित है। गुफा की दीवारों और छत से लटकती चूने की आकृतियों (स्टैलेक्टाइट्स) पर हरे रंग की सूक्ष्मजीवी परतें पाई जाती हैं, जिसके कारण इसे ग्रीन केव नाम दिया गया है। चूना पत्थर और शैल से निर्मित यह गुफा कांगेर घाटी की दुर्लभ और विशिष्ट गुफाओं में से एक मानी जा रही है।ग्रीन गुफा तक पहुंचने का मार्ग बड़े-बड़े पत्थरों से होकर गुजरता है। गुफा में प्रवेश करते ही सूक्ष्मजीवी जमाव से ढकी हरी दीवारें पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। आगे बढ़ने पर एक विशाल कक्ष दिखाई देता है, जहां से भीतर की ओर चमकदार और विशाल स्टैलेक्टाइट्स तथा फ्लो-स्टोन (बहते पानी से बनी पत्थर की परतें) देखने को मिलती हैं, जो गुफा की प्राकृतिक भव्यता को और भी बढ़ा देती हैं।घने जंगलों के मध्य स्थित यह गुफा अपनी अनोखी संरचना और प्राकृतिक सौंदर्य के कारण पर्यटकों के लिए एक नया आकर्षण केंद्र बनने जा रही है। वन विभाग द्वारा गुफा की सुरक्षा एवं नियमित निगरानी की जा रही है। साथ ही पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पहुंच मार्ग, पैदल पथ तथा अन्य आवश्यक आधारभूत संरचनाओं का विकास कार्य प्रगति पर है। वन विभाग द्वारा कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के पर्यटन विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस पहल में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वनबल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवासन तथा प्रमुख मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) श्री अरुण पांडे का मार्गदर्शन भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

माँ शाकम्भरी महोत्सव में शामिल हुए सांसद फल-सब्जी वितरण कर दिया सेवा व आत्मनिर्भरता का संदेश

रायपुर, 5 जांव सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को राजधानी रायपुर के घड़ी चौक में मरार पटेल समाज छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में आयोजित माँ शाकम्भरी प्राकट्य दिवस एवं छेरछेरा पूर्णिमा के पावन अवसर पर शाकम्भरी महोत्सव में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने प्रसाद स्वरूप फल एवं सब्जियों का वितरण कर समाज सेवा और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। सांसद श्री

अग्रवाल ने माँ शाकम्भरी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि माँ शाकम्भरी अन्न, फल और वनस्पति की अधिष्ठात्री देवी हैं। जब धरती पर अकाल की स्थिति उत्पन्न हुई, तब माँ ने फल और सब्जियों के रूप में मानवता का पालन कर जीवन को नई दिशा दी। माँ शाकम्भरी का संदेश प्रकृति के संरक्षण, आत्मनिर्भरता और सेवा भाव से जुड़ा हुआ है, जो आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की आवश्यकता है कि हमारी युवा पीढ़ी अपने पुस्तैनी कृषि कार्य को आधुनिक तकनीक, नवाचार और वैज्ञानिक पद्धतियों से जोड़े। इससे फल एवं सब्जी उत्पादन में वृद्धि होगी, किसानों की आय बढ़ेगी और छत्तीसगढ़ कृषि के क्षेत्र में और अधिक सशक्त बनकर उभरेगा। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने माँ शाकम्भरी से समाज, किसान और युवाओं के सुख, समृद्धि एवं उन्नति की कामना करते हुए कहा कि माँ की कृपा से छत्तीसगढ़ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा। इस अवसर पर मरार पटेल समाज के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, किसान भाई-बहन एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)